राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण बुधवार,22 जुलाई2020 वर्ष–3, अंक –176 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजा मानसिंह हत्याकांडः 35 साल बाद कोर्ट ने सुनाया फैसला, 11 पुलिसकर्मी दोषी करार

भरतपुर/मथुरा।

राजस्थान में भरतपुर के कस्वा ीग में 35 साल पहले हुए बहुचर्चित राजा मानसिंह हत्या कांड में उत्तर प्रदेश के मथुरा की एक अदालत ने आज 11 पुलिसकर्मियों को दोषी करार दिया जबकि तीन लोगों को बरी कर दिया। मथुरा की जिला एवं सेशन कोर्ट जज साधना रानी ठाकुर ने मामले में भरतपुर के तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक कान सिंह भाटी, एसएचओ डीग वीरेंद्र सिंह, सुखराम, आरएसी के हेड कांस्टेबल जीवाराम, भंवर सिंह, कांस्टेबल हरी सिंह, शेर सिंह, छत्तर सिंह, पदमाराम, जगमोहन, एसआइ रवि शेखर को दंड संहिता की धारा 148, 149, 302 के तहत दोषी करार दिया है। अदालत इस मामले में सजा बुधवार को सुनायेगी। अदालत ने भरतपुर पुलिस लाइन के हेड कांस्टेबल हरी किशन, कांस्टेबल गोविन्द प्रसाद, इंस्पेक्टर कान सिंह सिरबी पर जीडी में फेरबदल करने का आरोप साबित नहीं होने के बाद मामले से बरी कर दिया। गौरतलब है।

20 फरवरी 1985 को विधानसभा चुनाव के दौरान डीग किले से पूर्व राजपरिवार के ध्वज हटाने को लेकर पुलिस तथा मानसिंह के बीच हुए विवाद में पुलिस फायरिंग में मानसिंह तथा उनके सहयोगी सुमेर सिंह और हरि सिंह की मौत हो गयी थी। मामले के राजनीतिक तूल पकड़ने पर जांच का काम केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौपने के साथ मामले की सुनवाई उत्तर प्रदेश में मथुरा के जिला एवं सेशन कोर्ट को सुपुर्द की गई थी।

पाकिस्तान से लौटी गीता को मिला नया ठिकाना, नए सिरे से होगी माता-पिता की खोज

इंदौर।

बहुचर्चित घटनाक्रम में पाकिस्तान से करीब पांच साल पहले भारत लौटी मूक-बधिर युवती गीता को जिला प्रशासन ने उसकी इच्छा के मुताबिक इंदौर के एक नये गैर सरकारी संगठन को देख-रेख के लिये सौंप दिया है। यह संगठन गीता को समाज की मुख्यधारा से जोडने के प्रयासों के साथ ही उसके दो दशक पहले बिछुड़े माता-पिता की नये सिरे से तलाश शुरू करेगा। राज्य के सामाजिक न्याय एवं निःशक्त जन कल्याण विभाग के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि गीता को स्थानीय गैर सरकारी संस्था (एनजीओ) मूक-बधिर संगठन के छात्रावास से दिव्यांगों की मदद के लिये चलाये जा रहे एक अन्य एनजीओ आनंद सर्विस सोसायटी के परिसर में भेजा गया है। यह कदम मूक-बधिर युवती की लिखित सहमति के बाद उठाया गया है। उन्होंने बताया कि आनंद सर्विस सोसायटी के संचालक और सांकेतिक भाषा विशेषज्ञ ज्ञानेंद्र पुरोहित को गीता की देख-रेख और उसके माता-पिता की खोज का दायित्व सौंपा गया है। गौरत लब है कि गीता को पाकिस्तान से स्वदेश लाने और उसके माता-पिता को खोजने के अभियान में पुरोहित शुरूआत से भारत सरकार की मदद कर रहे हैं।

पुरोहित की मदद से वीडियो कॉल पर गीता से हुई बातचीत में उसने इशारों की जुबान में कहा, नयी जगह आकर मैं खुश हूं। मुझे ईश्वर पर पूरा विश्वास है कि वह एक दिन मुझे अपने बिछुड़े माता-पिता से मिला देगा। पुरोहित ने बताया कि सूबे के सीधी जिले का एक मूक-बधिर युवक गीता से शादी के लिये राजी है। लेकिन युवती का दो टूक कहना है कि अभी वह घर बसाने के बारे में नहीं सोच रही है। सांकेतिक भाषा विशेषज्ञ ने बताया कि समुदाय आधारित पुनर्वास पद्धति के अनुसार गीता की देख-रेख की जायेगी और उसके माता-पिता की तलाश नये सिरे से शुरू की जायेगी।

भारत के लिए सिरदर्दी बनने से पहले तोड़ दो नेपाली बंदूकों की नलियांः शिवसेना

नेशनल डेस्क। नेपाल सशस्त्र पुलिस बल की तरफ से देश की सीमा पर हाल में की गई गोलीबारी पर बरसते हुये शिवसेना ने मंगलवार को कहा कि नेपाली बंदूकों की नलियां तत्काल तोड़ दी जानी चाहिए नहीं तो ऐसे मामले हमेशा के लिए पाकिस्तान की तरह सिरदर्दी बन जायेंगे। शिवसेना के मुखपत्र सामना' के एक संपादकीय में कहा गया कि चीन भले ही लद्दाख में अभी चुपचाप बैठा है लेकिन वह यह सुनिश्चित करने के लिए ÷खेल खेल रहा है÷ कि भारतीय सीमाओं पर शांति न बनी रहे और वह नेपाल तथा पाकिस्तान से वहां गोलीबारी करा रहा है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों को करारा जवाब देने क लिए भारतीय सैनिकों की तारीफ करते हुए शिवसेना ने यह जानना चाहा कि देश के शासक पाकिस्तान की ओर से किए जाने वाले संघर्ष विराम उल्लंघनों और सीमा पार से हो रही गोलीबारी को रोक पाने में कब सफल होंगे। पुलिस के मुताबिक बिहार के किशनगंज जिले में शनिवार को भारत-नेपाल सीमा र 'नो मेन्स लैंड' पर नेपाल सशस्त्र पुलिस बल (एनएपीएफ) की तरफ से की गई गोलीबारी में एक भारतीय नागरिक घायल हो गया था। वहीं, 12 जून को बिहार के सीतामढ़ी जिले में लालबंदी जानकी नगर गांव के पास भारत-नेपाल सीमा पर एनएपीएफ की गोलीबारी में एक भारतीय नागरिक की मौत हो ई थी और दो अन्य घायल हो गए थे।शिवसेना ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान ने इस साल अब तक 2,700 से अधिक बार संघर्षविराम का उल्लंघन किया है। इन घटनाओं में 21 बेकसूर भारतीय नागरिक मारे गए जबकि 94 अन्य घायल हो गए। अब इसमें नेपाल की ओर से होने वाली गोलीबारी भी नुड़ गई है। इसका मतलब है कि, पहले बस पाकिस्तान सीमा पार से गोलीबारी कर रहा था। अब नेपाली बंदूकें भी बेकसूर भारतीयों की जान ले रही हैं। उद्धव ठाकरे नीत पार्टी ने कहा कि हम पाकिस्तानी बंदूकों को रोक पाने में कामयाब नहीं रहे हैं लेकिन यही बात नेपाल के साथ भी नहीं होनी चाहिए। पाली बंदूकों की नलियां अभी ही तोड़ दी जानी चाहिए। नहीं तो, नेपाल के साथ लगने वाली सीमा पर गोलीबारी भी हमेशा के लिए सिरदर्दी बन जाएगी जैसा कि पाकिस्तान के साथ है। एनएपीएफ की संलिप्तता वाली इन दो घटनाओं का संदर्भ देते हुए शिवसेना ने कहा कि नेपाल ने दिखा दिया है कि वह ारत के खिलाफ चीन और पाकिस्तान का साथ देगा। संपादकीय में कहा गया, ÷चीन फिलहाल लद्दाख में चुप है लेकिन वह नेपाल और पाकिस्तान से गोलीबारी करा कर सुनिश्चित कर रहा है कि भारतीय सीमाएं शांतिपूर्ण न रहें। उद्धव ठाकरे नीत पार्टी ने कहा कि हम पाकिस्तानी बंदूकों को रोक पाने में कामयाब नहीं रहे हैं लेकिन यही बात नेपाल के साथ भी नहीं होनी चाहिए। नेपाली बंदूकों की नलियां अभी ही तोड़ दी जानी चाहिए। नहीं तो, नेपाल के साथ लगने वाली सीमा पर गोलीबारी भी हमेशा के लिए सिरदर्दी बन जाएगी जैसा कि पाकिस्तान के साथ है। एनएपीएफ की संलिप्तता वाली इन दो घटनाओं का संदर्भ देते हुए शिवसेना ने कहा कि नेपाल ने दिखा दिया है कि वह भारत के खिलाफ चीन और पाकिस्तान का साथ देगा। संपादकीय में कहा गया, चीन फिलहाल लद्दाख में चुप है लेकिन वह नेपाल और पाकिस्तान से गोलीबारी करा कर सुनिश्चित कर रहा है कि भारतीय सीमाएं शांतिपूर्ण न रहें।

संक्षिप्त समाचार

बीजेपी पर ममता बनर्जी का बड़ा हमला, बोलीं- बंगाल के लोग राज्य को चलाएंगे, न कि बाहर के लोग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी को बाहरी लोगों की पार्टी करार दिया है और कहा है कि बंगाल के लोग राज्य को चलायेंगे न कि बाहरी लोग। बनर्जी ने शहीद दिवस के मौके पर एक वर्चुअल रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में किसी भी बाहरी व्यक्ति का शासन नहीं होगा। राज्य में बंगाली लोगों का शासन होगा। तृणमूल प्रमुख ने राजस्थान में राजनीतिक उथल-पुथल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिम्मेदार ठहराते हुए उन पर सीधा हमला बोला और पूछा, गुजरात को क्यों सभी राज्यों पर शासन करना चाहिए। बनर्जी ने कहा कि चक्रवाती तूफान अम्फान से प्रभावित सभी लोगों को सरकारी सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने विपक्ष पर उनके खिलाफ दुष्प्रचार करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, आज ही के दिन वर्ष 1993 में पुलिस की ओर से की गयी फायरिंग में हमारे 13 कार्यकर्ता शहीद हो गये थे। इस शहादत दिवस के अवसर पर हम राजनीतिक हिंसा के शिकार सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि शहीदों की याद में 1993 के बाद से हम हर वर्ष वार्षिक रैली का आयोजन करते रहे हैं लेकिन इस बार कोरोना महामारी को लेकर लागू प्रतिबंधों के कारण शहीद दिवस को दूसरे तरीके से मना रहे हैं। बनर्जी ने कहा, मैं अपने भाइयों एवं बहनों को प्रत्येक बूथ पर संबोधित करूंगी। यदि लोगों ने फिर से हमें अपना आशीर्वाद दिया तो जुलाई 2021 में अब तक का सबसे बड़ा कार्यक्रम आयोजित करूंगी।

कोर्ट में दाखिल हुआ हिंदी में पहला केस, जज ने पहले किया मना, फिर ले ली फाइल

यमुनानगर। हरियाणा के यमुनानगर न्यायालय में आज हिंदी भाषा में तैयार किया गया पहला केस दाखिल हुआ। जहां शिकायतकर्ता हिंदी में दायर इस केस को लेकर उत्साहित है, वहीं केस दायर करने वाले अधिवक्ता भी काफी प्रसन्न नजर आ रहे हैं। यमुनानगर के न्यायिक परिसर में आज एक वकील ने हिंदी में तैयार किया गया केस कोर्ट में दाखिल किया। केस दायर करने वाले शिकायतकर्ता दर्शन लाल का कहना है कि वह बहुत खुश है कि उनका केस जो सबसे पहला हिंदी में केस है वह दायर किया गया है। उन्होंने कहा कि कम पढ़े लिखे लोगों को अपना केस समझने में आसानी होगी और इससे केस में समय-समय पर वकील से भी चर्चा करने में आसानी रहेगी। वहीं केस दायर करने वाले अधिवक्ता का कहना है कि यह केस धारा 138 का केस है, जिसमें विष्णु फंडिग कंपनी बनाम दर्शन लाल है। उन्होंने कहा कि मातृभाषा को सम्मान मिले, मातृभाषा में काम हो, क्योंकि ज्यादातर लोगों को अंग्रेजी नहीं आती। वह चाहते हैं कि उन्हें अपने केस के बारे में समय-समय पर जानकारी मिलती रहे। इसीलिए उन्होंने यह केस हिंदी में बनाकर डाला है। उन्होंने बताया कि शुरू में जब केस न्यायधीश के सामने रखा गया तो उन्होंने इसे लेने से इनकार कर दिया। वहीं देशभर के न्यायालयों में हिंदी में काम हो इसके लिए 2015 से अधिवक्ताओं के संगठन बनाकर लड़ाई लड़ने वाले विशाल जोली ने बताया कि भारतीय भाषा नामक संगठन द्वारा इस संबंध में देश भर में 800 सेमिनार किए जा चुके हैं।

संजय राउत बोले, उद्धव ठाकरे भी राम मंदिर 'भूमि पूजन के लिए जाएंगे अयोध्या

नेशनल डेस्क। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि पार्टी प्रमुख एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे राम मंदिर 'भूमि पूजन के लिए निश्चित तौर पर अयोध्या जाएंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या ठाकरे को भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कोई आमंत्रण मिला है, राउत ने कहा कि यह आएगा। 5 अगस्त को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए होने वाले भूमि पूजन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने की संभावना है। राउत ने एक टीवी चैनल से कहा कि मुख्यमंत्री ठाकरे भूमि पूजन समारोह में निश्चित तौर पर शामिल होंगे क्योंकि शिवसेना इस विषय से भावनात्मक, धार्मिक और राष्ट्रीय रूप से जुड़ी है। राउत ने कहा कि जैसा कि मैंने कल कहा था कि शिवसेना ने बड़ा योगदान दिया है और राम मंदिर निर्माण के लिए (शिवसैनिकों ने) अपना रक्त बहाया तथा बलिदान दिया। राउत ने दोहराया कि ठाकरे अयोध्या जाते रहते हैं और उन्होंने ऐसा महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने से पहले तथा बाद में भी किया है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि ष्टश्र1द्बस्र-19 संकट न होता तो लाखों राम भक्त भूमि पूजन समारोह में शामिल होते। राज्यसभा सदस्य ने सोमवार को दावा किया था कि उनकी पार्टी ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया और मंदिर निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर किया। पार्टी ने यह सब हिन्दुत्व के लिए किया, न कि राजनीति के लिए। राउत ने कहा कि यह देखना होगा कि अगले महीने अयोध्या में भूमि पूजन समारोह में कितने लोगों को आमंत्रित किया जाएगा और (के मद्देनजर) समारोह में भौतिक दूरी से संबंधित क्या कदम होंगे।

भारत को मिलने जा रहा है नया पहरेदार, किलर के हाथों में होगी समुद्री सुरक्षा

नई दिल्ली।

हिंद महासागर में अपनी सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भारत को जल्द ही एक नया पहरेदार मिलने वाला है। यह पहरेदार आसमान से न सिर्फ हमारी समुद्री सीमा की निगरानी करेगा बल्कि गहरे पानी में छिपे दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने में भी सक्षम है। इस नए पहरेदार का नाम है क्क8द्ब विमान। भारत अगले साल निगरानी और जैमिंग क्षमताओं से लैस ऐसे चार विमान खरीदने जा रहा है। भारत के पास 6 और बोइंग खरीदने का विकल्प है। सूत्रों की मानें तो 2021 के अंत तक इन छह विमानों को खरीदा जा सकता है। पी-8ए के ही वैरिएंट पी-8आई को खासतौर से समुद्री निगरानी के लिए तैयार किया गया है। हिन्दुस्तान टाइम्स की खबर के मुताबिक आई का मतलब यहां भारत से है। यह विमान हार्पून ब्लॉक ढ्ढद्ब और हल्के टारपीडो से लैस है। यह अपने साथ 129 सोनोबॉय को ले जा सकता है। सोनोबॉय गहरे पानी में छिपी पनडुब्बियों की टोह लेने में काम आते हैं। इसके अलावा इससे एंटी शिप मिसाइल भी दागी जा सकती है। सीधे शब्दों में कहें तो पनडुब्बियों के लिए यह काल है। इसकी रेंज करीब 2200 किलोमीटर है। इसके अलावा यह 490 नॉटिकल माइल्स या 789 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भर सकता है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक छह और पी-8 आई विमानों की खरीद के लिए बातचीत शुरू होनी बाकी है। यह भी जानकारी मिली है कि लद्दाख में चीन के साथ गतिरोध से काफी पहले नवंबर 2019 में इस रक्षा सौदे को मंजूरी दे गई थी। इस विमान का उपयोग समुद्री रक्षा के अलावा अन्य क्षेत्र में भी किया जा सकता है। सेना ने चीन के साथ लद्दाख गतिरोध के दौरान निगरानी के लिए टोही विमान पर भरोसा किया था। इसके अलावा 2017 के डोकलाम विवाद के दौरान भी इसका इस्तेमाल किया गया था। दक्षिण चीन सागर समेत समुद्र में चीन के बढ़ते कदमों की वजह से यह रक्षा सौदा भारत के लिए काफी अहम है। चीन ने म्यांमार, श्रीलंका, पाकिस्तान, ईरान और पूर्वी अफ्रीका में पहले ही कई सारे बंदरगाहों का अधिग्रहण कर लिया है। माना जा रहा है कि भारतीय नौसेना के साथ अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन की नोसैना को चुनौती देने के लिए चीन ऐसा कर रहा है। चीन की म्यांमार में क्युकायपु बंदरगाह में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जो बंगाल की खाड़ी में स्थित है। दक्षिण श्रीलंका में हंबनटोटा बंदरगाह हिंद महासागर पर भी हावी है।

सुरक्षा विशेषज्ञों को आशंका है कि चीन ने हाल में एलएसी पर जो कुछ किया, ऐसा ही कुछ वह हिंद महासागर में भी कर सकता है। ऐसे में ड्रैगन का खतरा काफी वास्तविक है और उस पर अभी से सावधानी बरता काफी जरूरी है।

राजस्थानः पायलट गुट को राहत, 24 जुलाई तक स्पीकर नहीं कर सकेंगे कोई कार्रवाई

नेशनल डेस्क।

राजस्थान उच्च न्यायालय राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और कांग्रेस के 18 अन्य बागी विधायकों द्वारा दायर याचिका पर आज फैसला सुना सकता है। याचिका में पायलट और इन 18 विधायकों को राज्य विधानसभा अध्यक्ष की ओर से अयोग्य करार देने संबंधी नोटिस जारी करने को चुनौती दी गई है। इस याचिका पर मुख्य न्यायाधीश इंद्रजीत महंती और न्यायमूर्ति प्रकाश गुप्ता ने शुक्रवार को सुनवाई शुरू की और दलीलें सोमवार शाम तक सुनी गईं। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और बर्खास्त किए गए उपमुख्यमंत्री पायलट के बीच सत्ता को लेकर संग्राम चल रहा है। विधानसभा अध्यक्ष की तरफ से पेश हुए वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सोमवार को दलील दी कि याचिका समय से पहले दायर की गई है क्योंकि सदन से विधायकों को अयोग्य ठहराये जाने पर फैसला लिया जाना अभी बाकी है। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस पर अदालत के हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं है। सिंघवी ने कहा कि जहां तक विधानसभा का सवाल है, विधानसभा अध्यक्ष सर्वोच्च होता है और जो नोटिस जारी किये गए हैं, वे विधानसभा अध्यक्ष की शक्तियों के दायरे में है। विधानसभा अध्यक्ष की तरफ से पेश हुए एक वकील ने संवाददाताओं को बताया कि मुख्य न्यायाधीश ने पूछा कि क्या विधानसभा अध्यक्ष अयोग्यता के लिये दी गई ऐसी याचिका पर बिना कारण जाने नोटिस जारी करने के लिये बाध्य होता है? पार्टी व्हिप की अवज्ञा करने को लेकर विधायकों को राजस्थान विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित करने के लिये पार्टी द्वारा विधानसभा अध्यक्ष से शिकायत किये जाने के बाद यह नोटिस विधायकों को जारी किया गया था। हालांकि, पायलट खेमे की दलील है कि पार्टी का व्हिप तभी लागू होता है जब विधानसभा का सत्र चल रहा हो। कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष को दी गई अपनी शिकायत में पायलट और अन्य असंतुष्ट विधायकों के खिलाफ संविधान की 10वीं अनुसूची के पैराग्राफ 2(1)(ए) के तहत कार्रवाई करने की मांग की है।

विधायक सदन में जिस पार्टी का प्रतिनिधित्व करता है, यदि वह उसकी सदस्यता स्वेच्छा से त्याग देता है तो यह प्रावधान उक्त विधायक को अयोग्य करार देता है।

मोदी बुधवार को करेंगे 'इंडिया आइडियाज समिट' को संबोधित, दुनियाभर के लोगों की नजर

नेशनल डेस्क।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को अमेरिका-भारत व्यापार परिषद के 'इंडिया आइडियाज समिट' को संबोधित करेंगे। की 45वीं वर्षगांठ पर आयोजित इस शिखर सम्मेलन पर दुनियाभर के लोगों की नजर होगी। शिखर सम्मेलन के दौरान दौरान कोरोना महामारी के बाद की दुनिया में भारत-अमेरिकी सहयोग और उनके संबंधों पर चर्चा होगी। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी बयान के मुताबिक इस साल के 'इंडिया आइडियाज समिट' की विषयवस्तु 'बेहतर भविष्य का निर्माण' है। बयान में कहा गया कि शिखर सम्मेलन में भारत और अमेरिकी सरकार के शीर्ष नीति-निर्माता, अधिकारी और व्यापार तथा समाज के विचारक शामिल होंगे। इस शिखर सम्मेलन का आयोजन 21-22 जुलाई को होगा। इस साल के शिखर सम्मेलन को संबोधित करने वालों में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पॉम्पिओ, वर्जीनिया के सीनेटर मार्क वार्नर और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली शामिल हैं। बयान में कहा गया कि शिखर सम्मेलन में महामारी के बाद की दुनिया में भारत-अमेरिकी सहयोग और दोनों देशों के बीच भविष्य में रिश्ते जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

दिल्ली में दिन में छाया घना अंधेरा

नेशनल डेस्क। दिल्ली-एनसीआर में मॉनसून ने रफ़्तार पकड़ ली है। यहा कई इलाकों में तेज तो कहीं हल्की बारिश हो रही है। राजधानी दिल्ली की कुछ तस्वीरें भी सामने आई है, जिसमें बारिश के चलते दिन में ही अंधेरा दिखाई दे रहा है। मौसम विभाग ने दिल्ली एनसीआर में पहले ही बारिश की भविष्यवाणी कर दी थी। मौसम विभाग ने सोमवार को कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी में कुछ स्थानों पर अगले दो दिन में भारी बारिश हो सकती है। दिल्ली के शेष इलाकों तथा इर्दगिर्द के क्षेत्रों में मध्यम बारिश का अनुमान जताया गया था। मौसम के पूर्वानुमान में कहा गया कि दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश में अगले दो दिन में बारिश हो सकती है तथा कुछ-कुछ स्थानों पर भारी और बहुत भारी बारिश भी हो सकती है। इसके बाद बारिश में कमी आएगी। मौसम विज्ञानियों ने कहा कि उत्तर पश्चिमी भारत पर अगले दो से तीन दिन में बंगाल की खाड़ी से आने वाली आर्द्र पूर्वी हवाओं और अरब सागर से आने वाली दक्षिणपश्चिमी हवाओं का मेल होता रहेगा। इन दो कारकों से अगले 24 घंटे में दिल्ली-एनसीआर में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मुठभेड़ पर सुनवाई

कुख्यात अपराधी विकास दुबे मुठभेड़ मामले में जांच को लेकर चल रही सुनवाई के समय सुप्रीम कोर्ट ने जो टिप्पणियां की हैं, उनका महत्व किसी एक मामले तक सीमित नहीं है। प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता में कोर्ट ने बिल्कुल सही कहा कि सिर्फ एक घटना दांव पर नहीं है, बल्कि पूरा सिस्टम ही दांव पर है। सर्वोच्च न्यायालय के इशारे की व्यंजना व्यापक है। विकास दुबे के पूरे घटनाक्रम को महज एक मुठभेड़ तक घटाकर नहीं देखा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट का यह सवाल यथोचित है कि ऐसे दुर्दांत अपराधी को पैरोल या जमानत पर कैसे छोड़ा गया था? अव्वल तो अपराधी पैदा ही नहीं होने चाहिए, शुरुआती दौर में ही प्रशासन को पूरी कड़ाई करते हुए अपराध का अंत करना चाहिए। यदि तब भी कोई अपराधी सिर उठा लेता है, तो उस पर ज्यादा कड़ाई से लगाम लगाने की जरूरत पड़ती है। किसी इनामी अपराधी को पकड़कर छोड़ देना या जमानत दे देना कहीं से सराहनीय नहीं है। दुर्भाग्य से हमारे यहां कानून-व्यवस्था ऐसी बनी हुई है कि जमानत को रिहाई मान लिया जाता है। विडंबना देखिए, जमानत को छोटे-बड़े तमाम अपराधी अपनी जीत मान लेते हैं और बाहर आकर पहले से ज्यादा खूंखार हो जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने साफ संकेत दिया है कि ऐसे अपराधियों को जमानत देने या दिलाने में सावधान रहना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि हम इस बात से हैरान हैं कि इतने गंभीर मामलों में आरोपी पैरोल पर रिहा हो गया और उसने आखिरकार वही सब किया। इस टिप्पणी के बाद विकास दुबे के खिलाफ हुई रिपोर्टों और जमानत आदि के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने पूरी सूचना मांगी है। पूरे प्रकरण को विस्तार में जानकर यह समझने की जरूरत है कि भारत में ऐसे अपराधी कैसे तैयार होते हैं? हमारी व्यवस्था में वे कौन-कौन से अंग हैं, जो अपराधियों के पालनहार हैं? ऐसे अपराधियों को जमानत कैसे मिल जाती है? ध्यान रहे, विकास दुबे ने अगर आठ पुलिसवालों को बेरहमी से मारा है, तो इससे कहीं ज्यादा पुलिसवालों का उसे सहयोग भी मिला होगा। जब हम अदालत में किसी मुठभेड़ पर उठने वाले सवाल को दबाने के लिए यह कहते हैं कि इससे पुलिस का मनोबल कम होगा, तब हम समग्रता में पुलिस के चरित्र के एक स्याह हिस्से को शायद छिपा रहे होते हैं। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने भी संविधान की रोशनी में यह संदेश दिया है कि अपराधियों के खिलाफ पूरी सुनवाई होनी चाहिए और तभी सजा मिलनी चाहिए। किसी भी मुठभेड़ को जरूरी बताकर उसकी पृष्ठभूमि पर परदा डालने से स्वयं पुलिस की कमियां भी छिपी रह जाती हैं, इससे खुद पुलिस बल का व्यापक अहित होता है और सरकारों की बड़ी बदनामी होती है। कोर्ट ने जो कहा है, वह किसी एक सरकार के कामकाज पर नहीं, बल्कि यह उस व्यवस्था पर टिप्पणी है, जिसके साये में अपराधी बचते-बढ़ते हैं। यह तय हो गया है कि इस मुठभेड़ की जांच में सुप्रीम कोर्ट की भी भूमिका रहेगी। सुप्रीम कोर्ट के एक रिटायर्ड जज गठित होने वाले आयोग या समिति में अध्यक्ष रहेंगे। बुधवार को जांच समिति की रूपरेखा सामने आने की उम्मीद है। इसमें कोई शक नहीं, सुप्रीम कोर्ट की ताजा गंभीरता फलदायी हो सकती है। दूध का दूध और पानी का पानी हुआ, तो इससे पूरे तंत्र और देश की चमक बढ़ेगी।

आज के ट्वीट

बेनकाब

भारतीय संस्कृति को जितनी हानि बालीवुड के अभिनय और अभिनेताओं ने किया है,उतना शायद और कहीं से नहीं हुआ,विश्व में भारत अपनी जिन विशेषताओं के लिए जाना जाता है,उन्हें ही उखाड़ फेंकने की कोशिश बालीवुड में की जा रही है,इन्हें ही बेनकाब करने का प्रयास कंगना रनौत,विवेक ओबराय कर रहे हैं।

अर्णव गोस्वामी

डब्ल्यूटीओ को अलविदा कहने का वक्त

भरत झुनझुनवाला

वर्ष 1995 में जब हमने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की संधि पर हस्ताक्षर किये थे तब हमें बताया गया था कि हमारे देश के उत्पादों के लिए, विशेषकर कृषि उत्पादों के लिए, विकसित देशों के बाजार खुल जायेंगे। हमारे किसान अपने माल को ऊंचे दाम में बेच सकेंगे; हमें भारी मात्रा में विदेशी निवेश मिलेगा; और डब्ल्यूटीओ में पेटेंट कानून को सम्मिलित किये जाने के कारण वैश्विक निवेशकों को अपनी तकनीक को भारत में हस्तांतरित करने में संकोच कम होगा। जैसे यदि किसी देश के पास माइक्रोस्कोप बनाने की आधुनिक तकनीक है तो वह पेटेंट कानून के अभाव में उस माइक्रोस्कोप का भारत में उत्पादन नहीं करना चाहेगा। इसलिए यदि हम डब्ल्यूटीओ में दस्तखत करते हैं और उसके पेटेंट कानून को अपनाते हैं तो हमें विदेशी निवेश मिलेगा। तीनों ही बिन्दुओं पर डब्ल्यूटीओ का रिकार्ड उत्साहवर्धक नहीं रहा है। बेर्तेल्स्मान स्टिफटुंग नाम की जर्मन संस्था ने आकलन किया है कि डब्ल्यूटीओ की संधि पर हस्ताक्षर करने के कारण भारत के निर्यातों में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह बात स्वीकार्य है। लेकिन इसके साथ-साथ हमारे आयातों में इससे भी ज्यादा वृद्धि हुई है। और यही कारण है कि आज हमारा विदेश व्यापार भारी घाटे में चल रहा है। यदि हमारे आयातों में वृद्धि कम और निर्यातों में वृद्धि अधिक होती तो हम मान सकते थे कि वह विदेश व्यापार हमारे लिए लाभप्रद है। लेकिन ऐसा स्पष्ट रूप से नहीं हुआ है। जहां तक कृषि का सवाल है, डब्ल्यूटीओ की संधि में लिखा गया था कि दस वर्षों में विकसित देशों के कृषि क्षेत्र को खोलने के लिए अलग संधि की जाएगी। लेकिन उस संधि को आज तक नहीं किया गया है, जिसके कारण हमारे किसानों को विश्व बाजार का लाभ नहीं मिल रहा है। जहां तक निवेश का सवाल है, यह सही है कि डब्ल्यूटीओ में संधि करने के बाद भारत को विदेशी निवेश भारी मात्रा में मिला है लेकिन साथ-साथ हमारी पूंजी का पलायन भी बढ़ा है। लगभग दस वर्ष पूर्व तक विश्व बैंक ग्लोबल डेवलेपमेंट फाइनांस रपट में आंकड़े देता था कि कितनी पूंजी विकासशील देशों को आई और कितनी उनके यहां से गई। दस वर्ष पूर्व तक विश्व बैंक के अनुसार विकासशील देशों से पूंजी का पलायन अधिक और आगमन कम हो रहा था। वर्तमान समय में इसमें और वृद्धि ही हुई है। प्रमाण यह है कि हमारे रुपये का मूल्य गिर रहा है। जब हमारी पूंजी बाहर जाती है तो डालर की मांग बढ़ती है। तद्नुसार डालर का मूल्य भी बढ़ता है और रुपये का घटता है। जहां तक तकनीकों का सवाल है, यह बात सही है कि वैश्विक निवेशकों को भारत में आधुनिक तकनीकों के आधार पर मैन्यूफैक्चरिंग करने में सहूलियत हुई है लेकिन इन तकनीकों के आने से घरेलू तकनीकों के सृजन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। वर्ष 1995 में डब्ल्यूटीओ की संधि के पूर्व जो हम दूसरी तकनीकों की नकल करके अपने यहां उत्पादन कर रहे थे, वह प्रक्रिया अब बंद हो गयी है। वर्ष 1995 के पहले अपने पेटेंट कानून में व्यवस्था थी कि विश्व बाजार में उपलब्ध किसी भी माल की भारत के उद्यमी नकल कर सकते हैं बशर्ते वे उत्पादन में वह प्रक्रिया न अपनाएं, जिससे कि दूसरे देशों ने उसी माल को बनाया हो। जैसे किसी विदेशी पेटेंटधारक ने अमुक दवा बनाई। साल 1995 के पहले हमारे उद्यमी उस दवा का कानूनन उत्पादन कर सकते थे। यदि बनाने में वह प्रक्रिया न अपनाई गई हो जो पेटेंटधारक ने अपनाई है। इस प्रकार की वैकल्पिक प्रक्रियाओं को अपनाकर भारत दवाओं की आपूर्ति में सर्वोच्च स्थान पर था। यदि हम समग्र आकलन करें तो पाते हैं कि बाजार में हमारे निर्यात तो बढ़े, साथ ही हमारे आयात भी बढ़े। कृषि में हमारे निर्यात नहीं बढ़े। निवेश आया कम और गया ज्यादा। तकनीकों में भी विस्तार हुआ लेकिन नकल करके जिन तकनीकों को हम हासिल कर सकते थे, वे भी नहीं आयीं। डब्ल्यूटीओ के अंतिम परिणाम को सफल नहीं कहा जा सकता। वर्तमान समय में खुले विश्व व्यापार यानी डब्ल्यूटीओ से तमाम देश पीछे हट रहे हैं। इंग्लैंड ने यूरोपीय यूनियन से बाहर आने का निर्णय लिया है। चीन और अमेरिका ने आपस में द्विपक्षीय समझौता इसी वर्ष जनवरी में किया है। यदि खुला व्यापार उपयुक्त था तो इन्हें द्विपक्षीय समझौता करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। अमेरिका ने डब्ल्यूटीओ की मृत्यु को सुनिश्चित किया है। डब्ल्यूटीओ में एक अपीलीय प्राधिकरण होता है, जिसमें विवादों का निपटारा होता है। अमेरिका ने प्राधिकरण में नये जजों को नियुक्त करने से इनकार कर दिया है। फलस्वरूप आज यदि डब्ल्यूटीओ के अंतर्गत देशों में विवाद होता है तो उस विवाद का निपटारा सम्भव नहीं है। जैसे यदि भारत वर्तमान में चीन से आने वाले आयातों पर रोक लगाये और चीन इसका डब्ल्यूटीओ में विवाद खड़ा करे तो उस विवाद का निपटारा हो ही नहीं सकता। अतः भारत चीन के आयातों पर ऊंचे आयात करों को लगाने को स्वछन्द है। इन 'गैरकानूनी' करों को लगाने पर कोई दंड नहीं दिया जा सकता। एक आकलन में डब्ल्यूटीओ को छोड़ने से हमें ये लाभ होंगे। पहला यह कि हम अपने छोटे उद्योगों को सस्ते आयातों से संरक्षण दे सकेंगे। ज्ञात हो कि चीन से आने वाले माल के सस्ते होने का एक कारण यह है कि चीन में पर्यावरण को नष्ट करने की तुलना में सुविधा उपलब्ध है। फलस्वरूप उद्यमियों को पर्यावरण संरक्षण पर पोल्यूशन ट्रीटमेंट प्लांट आदि कम स्थापित करने पड़ते हैं। उनके माल की उत्पादन लागत कम आती है। यदि मेक इन इंडिया को बढ़ाना है तो डब्ल्यूटीओ छोड़ने से यह कार्य संभव हो सकता है क्योंकि तब हम आयातों पर भारी आयात कर लगा सकते हैं। डब्ल्यूटीओ को छोड़ने से हम अपने पुराने पेटेंट कानून को लागू कर सकते हैं। जिसके अंतर्गत हम दूसरे देशों द्वारा आविष्कार की गयी तकनीकों की नकल कर सकते हैं। जैसे यदि अमेरिका की मान्सेंटो कम्पनी ने बीटी काटन की विशेष प्रजाति का आविष्कार किया तो हम उसको बनाने की प्रक्रिया में थोड़ा-सा अंतर कर उसी प्रजाति के बीज को बनाकर भारत में बेच सकते हैं। तीसरा पक्ष यह कि आने वाले समय में विश्व में भौतिक माल जैसे जिन्हें मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में बनाया जाता है, उनके व्यापार में वृद्धि कम होगी और सेवा क्षेत्र जैसे मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन, अनुवाद, संगीत, सिनेमा इत्यादि के व्यापार में वृद्धि होगी। ये सेवा क्षेत्र वर्तमान में डब्ल्यूटीओ के दायरे से बाहर हैं। इसलिए डब्ल्यूटीओ को छोड़ने से हमारे इन निर्यातों पर तनिक भी प्रभाव नहीं पड़ेगा। डब्ल्यूटीओ का सकारात्मक प्रभाव पड़ने की सम्भावना कम होने के कारण हमें उस डब्ल्यूटीओ को तत्काल छोड़ देना चाहिए, जिसे अमेरिका वर्तमान में ही मृत्यु के घाट तक पहुंचा चुका है। हमें भी उसे अलविदा कहने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

सकारात्मक सोच

जग्गी वासुदेव

सारी दुनिया में बहुत सारे लोग 'सकारात्मक सोच' के बारे में बात करते हैं। जब आप सकारात्मक सोच की बात कर रहे हैं तो एक अर्थ में आप वास्तविकता से दूर भाग रहे हैं। आप जीवन के सिर्फ एक पक्ष को देखना चाहते हैं और दूसरे की उपेक्षा कर रहे हैं। आप तो उस दूसरे पक्ष की उपेक्षा कर सकते हैं लेकिन वो आप को नजरअंदाज नहीं करेगा। अगर आप दुनिया की नकारात्मक बातों के बारे में नहीं सोचते तो आप एक तरह से मूखरे के स्वर्ग (अवास्तविक दुनिया) में जी रहे हैं और जीवन आप को इसका सबक अवश्य सिखाएगा। अभी, मान लीजिए, आकाश में गहरे काले बादल छाए हैं। आप उनकी उपेक्षा कर सकते हैं मगर वे ऐसा नहीं करेंगे। जब वे बरसेंगे तो बस बरसेंगे। आप को भिगोयेंगे तो भिगोयेंगे ही। आप इसे नजरंदाज कर सकते हैं और सोच सकते हैं कि सबकुछ ठीक हो जाएगा-इसकी थोड़ी मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रासंगिकता हो सकती है पर अस्तित्व, वास्तविकता की दृष्टि से यह सुसंगत नहीं होगा। यह सिर्फ एक सांत्वना होगी। वास्तविकता से अवास्तविकता की ओर बढ़ते हुए, आप अपने आप को सांत्वना, धीरज दे सकते हैं। इसका कारण यह है कि आप को कहीं पर ऐसा लगता है कि आप वास्तविकता को संभाल नहीं सकते। और शायद आप नहीं ही संभाल सकते, अत- आप इस सकारात्मक सोच के वशीभूत हो जाते हैं कि आप नकारात्मकता को छोड़ना चाहते हैं और सकारात्मक सोचना चाहते हैं। या, दूसरे शब्दों में कहें तो आप नकारात्मकता से दूर जाना, उसका परिहार करना चाहते हैं। आप जिस किसी चीज का परिहार करना चाहें, वही आप की चेतना का आधार बन जाती है। आप जिसके पीछे पड़ते हैं, वह आप की सबसे ज्यादा मजबूत बात नहीं होती। आप जिससे दूर जाना चाहें, वो ही आप की सबसे मजबूत बात हो जाएगी। वो कोई भी, जो जीवन के एक भाग को मिटा देना चाहता है और दूसरे के ही साथ रहना चाहता है, वह अपने लिये सिर्फ दुख ही लाता है। आप जिसे सकारात्मक और नकारात्मक कहते हैं, वो क्या है? पुरुषत्व और स्त्रीत्व, प्रकाश और अंधकार, दिन और रात। जब तक ये दोनों न हों, जीवन कैसे होगा? यह कहना वैसा ही है जैसे आप कहें कि आप को सिर्फ जीवन चाहिये, मृत्यु नहीं।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कैदियों की रिहाई के लिए नयी लक्ष्मण रेखा

अनूप भटनागर

स्वतंत्रता दिवस पर कैदियों की सज़ा में छूट देकर उन्हें रिहा करने के लिये राज्य सरकार और राज्यपाल को संविधान के अनुच्छेद 161 में प्रदत्त अधिकार के इस्तेमाल पर शीघ्र ही एक लक्ष्मण रेखा खिंच सकती है। इसकी वजह दंड प्रक्रिया संहिता में स्पष्ट प्रावधान के बावजूद हरियाणा सरकार की कैदियों को रिहा करने संबंधी 2019 की नीति है, जिसके तहत उम्रकैद की सज़ा पाये 75 साल के कैदी को मात्र आठ साल जेल में बिताने के बाद राज्यपाल ने तथ्यों और दूसरी सामग्री की छानबीन के बगैर ही संविधान के अनुच्छेद 161 में प्रदत्त अधिकार का इस्तेमाल करते हुए रिहा कर दिया था। उच्चतम न्यायालय ने 1978 के पांच सदस्यीय संविधान पीठ द्वारा मारू राम प्रकरण में प्रतिपादित व्यवस्था और तीन न्यायाधीशों की पीठ के फैसलों का जिक्र करते हुए दो सवाल सात सदस्यीय संविधान पीठ के पास भेजे हैं। संविधान पीठ को अब यह व्यवस्था देनी है कि क्या संविधान के अनुच्छेद 161 में प्रदत्त अधिकारों का इस्तेमाल करके ऐसी नीति तैयार की जा सकती है, जिसमें प्रतिपादित मानदंडों का पालन करने के बाद कार्यपालिका किसी भी मामले में तथ्यों और सामग्री को राज्यपाल के समक्ष पेश किये बगैर ही किसी कैदी को सज़ा में छूट का लाभ दे सकती है और क्या इस तरह की कवायद दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 433-ए की जरूरतों को दरकिनार कर सकती है। संविधान के अनुच्छेद 161 में जहां राज्यपाल को कुछ मामलों में सज़ा निलंबित करने, उसे माफ करने या उसमें बदलाव करने का अधिकार दिया गया है वहीं दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 433-ए में कुछ मामलों में राज्यपाल के इन अधिकारों पर पाबंदियां लगायी गयी हैं। धारा 433-ए यह भी कहती है कि दोषी जेल से तब तक रिहा नहीं किया जा सकता, जब तक उसने कम से कम 14 साल की सज़ा पूरी ना कर ली हो, यह प्रावधान उन कैदियों पर लागू होता है, जिन्हें ऐसे मामलों में उम्रकैद की सज़ा दी गई है, जिनमें अधिकतम मृत्युदंड का प्रावधान है या फिर जिसकी सज़ा मृत्युदंड से परिवर्तित होकर उम्रकैद बनी है। इस प्रावधान से स्पष्ट है कि किसी भी स्थिति में उम्रकैद की सज़ा पाने वाले कैदी को जेल में 14 साल गुजारे बगैर इस तरह की छूट का लाभ नहीं मिल सकता । यह तथ्य हत्या के जुर्म में उम्रकैद की सज़ा भुगत रहे एक कैदी की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया । पता चला कि दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 433-ए के प्रावधान के बावजूद 2019 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक सामान्य सज़ा माफी की नीति के तहत उसे रिहा कर दिया गया है। शीर्ष अदालत ने पाया कि अनुच्छेद 161 के तहत कैदियों को सज़ा से माफी देने के मामले में प्रत्येक के तथ्य और दूसरी सामग्री राज्यपाल के समक्ष नहीं रखी गयी थी। शीर्ष अदालत की दो सदस्यीय खंडपीठ ने 2012 में इस मुद्दे पर विराम लगाते हुए अपने फैसले में कहा था कि सज़ा में माफी देना एक कानूनी प्रावधान है लेकिन इसके मनमाने तरीके से इस्तेमाल पर अंकुश लगाने के इरादे से विधायिका ने इसमें कुछ ऐसे प्रावधान किये हैं, जिनका पालन जरूरी है। न्यायालय ने

यह भी कहा था कि कैदियों को सामूहिक रूप से माफी नहीं दी जा सकती और प्रत्येक मामले की वस्तुस्थिति के आधार पर ही निर्णय लेना होगा। हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर सरकार दो अगस्त, 2019 को इस संबंध में एक नीतिगत फैसला लिया। इसके तहत संविधान के अनुच्छेद 161 में प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए राज्यपाल ने 15 अगस्त, 2019 को कैदियों के एक वर्ग की सज़ा माफ करने का निर्णय किया था। इस विशेष श्रेणी में ऐसे कैदी थे, जिन्हें उम्रकैद की सज़ा मिली थी और पुरुषों के मामले में उनकी आयु 75 साल से ज्यादा तथा महिलाओं के मामले में उनकी आयु 65 साल से अधिक थी और पुरुष कैदियों ने 15 अगस्त, 2019 को आठ साल तथा महिला कैदियों ने छह साल की वास्तविक सज़ा पूरी कर ली थी। राज्य सरकार के इस नीतिगत निर्णय के दायरे से कई श्रेणी के कैदियों को बाहर रखा गया था। इनमें वे कैदी भी शामिल थे, जिनकी मौत की सज़ा उम्रकैद में तबदील हुई थी। इसी तरह, 14 साल से कम उम्र के बच्चों के अपहरण और उनकी हत्या, बलात्कार और हत्या, डकैती और लूटपाट, टाडा, शासकीय गोपनीयता कानून, विदेशी नागरिक कानून, पासपोर्ट कानून और एनडीपीएस कानून के तहत दोषी कैदियों सहित कई श्रेणियों को इससे बाहर रखा गया था।

उम्मीद है कि उम्रकैद की सज़ा पाये कैदियों को माफी देने के सवाल पर सात सदस्यीय संविधान पीठ स्पष्ट व्यवस्था देगी जिसके बाद किसी की राज्य सरकार को अनुच्छेद 161 में सज़ा में माफी देने के मामले में अपनी मर्जी चलाने का अवसर नहीं मिलेगा और ऐसे मामलों में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 433-ए के प्रावधान का पालन किया जायेगा।

ब्रिटानिया अगले ढाई साल में पांच नए कारखानों पर करेगी 700 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली। ब्रेड-मक्खन, बिस्किट जैसे रोजमर्रा के उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ढाई साल में पांच नए कारखाने खोलने पर 700 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक वरुण बेरी ने कहा कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए ये कारखाने देश के विभिन्न हिस्सों में खोले जाएंगे। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की मांग में बहुत तेज वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी का कहना है कि मांग पूरा करने के लिए उसे बिहार, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में तीन नए संयंत्र लगाने की जरूरत होगी। वाडिया समूह की कंपनी ने कहा कि इसके अलावा वह अपनी ओडिशा और महाराष्ट्र के मौजूदा कारखानों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए दो नई इकाइयां और लगाएगी। बेरी ने कहा कि हमारी मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है। इसलिए हमें अपना उत्पादन बढ़ाने पर निवेश करना होगा। इसलिए हमें जिन पांच इकाइयों में निवेश करना है, उनकी पहचान कर ली गई है। उन्होंने कहा कि ये नए कारखाने अगले ढाई साल में तैयार होंगे और इस पर कंपनी कुल 700 करोड़ रुपए का पूंजीगत निवेश करेगी। इसका करीब 35 प्रतिशत इसी साल निवेश किया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में बैंक हर शनिवार को बंद रहेंगे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में हर शनिवार को बैंक बंद रहेंगे। पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को इस संबंध में निदेश जारी किया है। राज्य में बैंक कर्मियों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बढ़ते मामलों को देखते हुये यह कदम उठाया गया है। वर्तमान में बैंक प्रत्येक रविवार के अलावा हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को ही बंद रहते हैं। राज्य के वित्त (लेखा परीक्षा) विभाग ने एक अधिसूचना में कहा है, ''राज्यपाल यह घोषणा करते हैं कि पश्चिम बंगाल में काम करने वाली सभी बैंक शाखाओं के मामले में नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स कानून,1881 के तहत मौजूदा दूसरे और चौथे शनिवार के साथ ही हर शनिवार को सार्वजनिक अवकाश होगा।'' इसमें कहा गया है कि यह आदेश तुरंत प्रभाव से अमल में आ जायेगा और अगले आदेश तक लागू रहेगा। अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी) के राज्य सचिव संजय दास ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के बैंकों के 2,000 से अधिक कर्मचारी राज्य में कोविड- 19 से संक्रमित हो चुके हैं।

डीजीएफटी ने पीपीई किट निर्यात के लिये मंजूरी प्रक्रिया को संशोधित किया

नयी दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने कोविड-19 के लिये पूरे शरीर को ढकने को लेकर पीपीई किट के निर्यात हेतु आवेदन देने और उसकी मंजूरी की प्रक्रिया और मानदंडों में संशोधन किया है। सोमवार को जारी एक व्यापार नोटिस में यह कहा गया है किजुलाई में निर्यातकों ने जो भी अनुरोध दिये, वे अयोग्य पाये गये विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कोविड-19 के इलाज को लेकर 29 जून को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) चिकित्सा किट (कवर ऑल) के निर्यात की अनुमति दी थी। इसमें मासिक निर्यात कोटा 50 लाख इकाई रखा गया था। डीजीएफटी ने कहा, ''एक जुलाई से तीन जुलाई के बीच प्राप्त सभी आवेदनों पर गौर किया गया और काई भी आवेदन 29 जून को जारी व्यापार नोटिस में दिये गये मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं। अत- सभी आवेदनों को निर्यात कोटा के आबंटन के लिये पात्र नहीं पाया गया है।'' विदेश व्यापार महानिदेशालय ने कहा कि निर्यात को लेकर आवेदन पत्रिया और मानदंड को संशोधित किया गया है और निर्यातकों को इन पीपीई किट (कवर ऑल) के निर्यात को लेकर नये सिरेस से ऑनलाइन आवेदन देने के लिये आमंत्रित किया गया है।' निर्यातकों को खरीद निर्यातकों को खरीद आर्डर की प्रति के साथ प्रति आईईसी (आयात निर्यात कोड) आवेदन देना होगा और फिर उस पर विचार किया जाएगा।

ट्रेनों के बाद रेलवे स्टेशन भी होंगे नीलाम, निजी हाथों में सौंपेगी केंद्र सरकारः पीयूष गोयल

कोलकाता।

देश में 151 यात्री गाड़ियों को निजी हाथों में सौंपने का निर्णय करने के बाद केन्द्र सरकार अब रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण कर उन्हें निजी क्षेत्र को सौंपने की योजना बना रही है। यह काम नीलामी के जरिए किया जाएगा। केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को यह बात कही। मर्चेंट्स चैंबर आफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री (एमसीसीआई) द्वारा आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि रेलगाड़ियों के निजीकरण के लिए बोलियां जारी हो चुकीं हैं और इनके लिए अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने कहा, 'सरकार की रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाने की योजना है। उसके बाद इन्हें नीलामी के जरिए निजी क्षेत्र के हाथों सौंपा जाएगा।' केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि माल गलियारा परियोजना पर काम को तेज करने की जरूरत है। कोविड-19 की वजह से इसमें देरी हुई है। गोयल ने कहा, 'इस गलियारा के लिए पश्चिम बंगाल में जितनी जमीन की जरूरत है राज्य सरकार ने अभी तक वह परियोजना के लिए बनाए गए विशेष निकाय के हवाले नहीं की है।' रेल मंत्री ने कहा कि यदि राज्य सरकार इसे मंजूरी देती है तो कोलकाता में मेट्रो सेवाएं शुरू हो जाएंगी। उन्होंने कहा, 'लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य में विमान सेवाओं और उपनगरीय रेल सेवाओं को अभी शुरू करने के खिलाफ हैं।

उपनगरीय रेल सेवाओं को अभी शुरू करने के खिलाफ हैं। यदि मेट्रो का परिचालन अभी फिर शुरू कर दिया तो चीजें (वायरस की स्थिति) हाथ से निकल जाएंगी।'

अमेरिका ने मुस्लिमों के मानवाधिकार हनन की शिकायतों पर चीन की 11 कंपनियों पर लगाए प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने चीन की 11 कंपनियों पर व्यापार प्रतिबंध लगाए हैं। इन कंपनियों के खिलाफ चीन के मुस्लिम जनसंख्या वाले शिनजियांग क्षेत्र में मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों में लिप्त होने की शिकायतें हैं अमेरिका द्वारा सोमवार को घोषित ये प्रतिबंध चीन पर दबाव बनाने की नयी कोशिश हैं। चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी पर इस क्षेत्र में मुस्लिम अल्पसंख्यकों के साथ दुर्व्यवहार, बंधुआ मजदूरी और बड़ी संख्या में लोगों को हिरासत में रखने के आरोप लगते रहे हैं। अमेरिका और चीन के संबंधों में गिरावट के कारणों में मानवाधिकार, व्यापार और प्रौद्योगिकी के साथ-साथ शिनजियांग क्षेत्र का मुद्दा भी शामिल है। अमेरिका की डोनाल्ड ट्रंप सरकार ने इन आरोपों के चलते चीन के चार अधिकारियों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। वहीं जवाबी कार्रवाई में बीजिंग ने उसके मानवाधिकार रिकॉर्ड का विरोध करने वाले अमेरिका के चार सीनेटरों पर जुर्माना लगाने की घोषणा की है। अमेरिका के वाणिज्य विभाग ने कहा कि प्रतिबंधित सूची में डाले जाने से इन 11 कंपनियों की अमेरिकी सामान और प्रौद्योगिकी तक पहुंच सीमित होगी।

जूम बेंगलुरु में प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करेगा

बेंगलुरु। जूम वीडियो कम्युनिकेशंस ने मंगलवार को कहा कि वह भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए बेंगलुरु में एक नया प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित करेगी और अगले कुछ वर्षों में प्रमुख पदों पर नियुक्तियां करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि पूरे भारत में उपयोगकर्ताओं द्वारा जूम को बड़े स्तर पर अपनाए जाने के बाद यह फैसला लिया गया। बयान में कहा गया, ''जनवरी से अप्रैल 2020 के बीच भारत में जूम के मुफ्त उपयोगकर्ता साइन अप में 6,700 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।'' कंपनी ने कहा कि उसका एक कार्यालय पहले ही मुंबई में है और वहां दो डेटा केंद्र हैं। कंपनी ने आगे बताया कि बेंगलुरु में विस्तार से उसके मौजूदा अनुसंधान और विकास केंद्रों को मदद मिलेगी। जूम ने कहा कि असाधारण इंजीनियरिंग और आईटी प्रतिभा के कारण उसने बेंगलुरु का चयन किया और जल्द ही वह इंजीनियरों, आईटी, सुरक्षा और कारोबार परिचालन क्षेत्र के पेशेवरों को नियुक्त करेगी। कंपनी ने यह भी कहा कि जब तक कोविड-19 की स्थिति में सुधार नहीं होता है, उसके कर्मचारी घर से ही काम करेंगे। कंपनी ने कहा, ''जूम के लिए भारत रणनीतिक रूप से एक महत्वपूर्ण देश है और हमें यहां निरंतर वृद्धि और निवेश करने की उम्मीद है।'' जूम के सीईओ एरिक एस युआन ने कहा, ''हम भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान 2,300 से अधिक शिक्षण संस्थानों में मुफ्त में अपनी सेवाएं देकर गर्व महसूस कर रहे हैं ।

एचडीएफसी बैंक ने 6 कर्मचारियों को किया बर्खास्त, कर रहे थे भ्रष्टाचार

बिजनेस डेस्क।

निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने लोन जारी करने में नियमों का पालन न करने और हितों के टकराव के मामले में 6 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। आरोप है कि इन कर्मचारियों ने लोन जारी करने में नियमों का पालन नहीं किया। बैंक ने जिन कर्मचारियों पर गाज गिराई है, उनमें से कई सीनियर लेवल के हैं तो कुछ मिड लेवल के हैं। दरअसल बैंक की ऑटो लोन यूनिट में पिछले दिनों नियमों को ताक पर रखकर लोन जारी करने का मामला सामने आया था, जिसके बाद आंतरिक जांच कराई गई थी। इस जांच में इन लोगों की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर बैंक की ओर से यह कार्रवाई की गई है। आरोपों के मुताबिक बैंक के इन अधिकारियों ने ऑटो लोन के साथ ही कर्जधारकों को जीपीएस डिवाइस भी दी थीं। जांच में यह बात सामने आई है कि इन कर्मचारियों ने सेल्स टारगेट को पूरा करने के लिए 2015 से 2019 के दौरान ऐसा किया था। मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने कहा, यह बैंक से अप्रूव्ड प्रोडक्ट है। यह बैंक के पोर्टफोलियो का मामूली हिस्सा है। हर महीने ऐसे 4000-5000 डेवाइस बिकते हैं जिनकी कीमत 18-19 हजार रुपए है। समस्या यह है कि ऑडिट में भी यह गड़बड़ी पकड़ में नहीं आई। एचडीएफसी बैंक देश का सबसे बड़ी वाहन फाइनेंस प्रदाता है और हर महीने 50 से 55 हजार कार लोन देता है। इसका सालाना कारोबार करीब 40 हजार रुपए का है। बैंक की आंतरिक जांच रिपोर्ट को अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन ऑटो लोन यूनिट के मुखिया रहे अशोक खन्ना को एक्सटेंशन नहीं दिया गया है। हालांकि पहले उन्हें कार्यकाल विस्तार दिए जाने का प्रस्ताव था। एचडीएफसी बैंक के कुल बकाया लोन में ऑटो यूनिट की 10 फीसदी हिस्सेदारी है। 31 मार्च, 2020 तक की एचडीएफसी बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक बैंक के कुल 1.2 लाख करोड़ रुपए के ऑटो लोन बकाया हैं।

बैंक के आंतरिक सूत्रों के मुताबिक कुछ महीनों पहले तक खन्ना के कार्यकाल को मैनेजमेंट अक्टूबर तक के लिए बढ़ाने पर विचार कर रहा था, लेकिन फिर ऐसा नहीं किया गया। हालांकि 63 वर्षीय खन्ना को फिर मार्च में ही रिटायरमेंट दे दिया गया।

अरविंद लाइफस्टाइल को समूह की कंपनी में अल्पांश हिस्सेदारी के लिए फ्लिपकार्ट से 260 करोड़ रुपये मिले

नयी दिल्ली। अरविंद फैशन (एएफएल) ने मंगलवार को कहा कि उसकी सहायक कंपनी अरविंद लाइफस्टाइल ब्रांड्स को समूह की एक अन्य फर्म में अल्पसंख्यक हिस्सेदारी लेने के लिए फ्लिपकार्ट इंडिया से 260 करोड़ रुपये मिले हैं। अरविंद यूथ ब्रांड्स, अरविंद फैशन की हाल ही में बनाई गई सहायक कंपनी है, जो 'फ्लाइंग मशीन ब्रांड' की मालिक है। एएफएल ने शेयर बाजार को बताया कि उसकी सहायक कंपनी अरविंद लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड को अरविंद यूथ ब्रांड्स में अल्पांश हिस्सेदारी लेने के लिए फ्लिपकार्ट से 260 करोड़ रुपये मिले हैं। एएफएल ने कहा कि फ्लिपकार्ट समूह और अरविंद फैशंस ने इस निवेश के जरिए अपनी साझेदारी को मजबूत किया है। अरविंद फैशंस ने कहा कि फ्लाइंग मशीन छह साल से अधिक समय से फ्लिपकार्ट और मयंत्रा के मंचों पर खुदरा बिक्री कर रही है। मयंत्रा के मंचों पर खुदरा बिक्री कर रही है। से फ्लिपकार्ट और मयंत्रा के मंचों पर खुदरा बिक्री कर रही है। मयंत्रा के मंचों पर खुदरा बिक्री कर रही है। कंपनी ने कहा कि इस निवेश के जरिए फ्लिपकार्ट समूह जरिए फ्लिपकार्ट समूह और अरविंद फैशंस नए उत्पादों को विकसित करने के लिए तालमेल के साथ काम कर सकेंगे।

एयर इंडिया के कर्मचारियों को झटका, 30 फीसदी कटौती के साथ मिल सकती है जून की सैलरी

बिजनेस डेस्क।

कर्ज के बोझ में डूबी सरकारी विमान कंपनी एयर इंडिया के कर्मचारियों के लिए खुशी के साथ-साथ गम की भी खबर पर है। कर्मचारियों को इस सप्ताह में जून की सैलरी मिल सकती है लेकिन इसके साथ ही ग्रेड के हिसाब से 30 फीसदी तक सैलरी कटकर आएगी। इसके अलावा एयर इंडिया ने पिछले दिनों कोरोना की वजह से ड्यूटी के दौरान जान गंवा चुके कर्मचारियों के परिजनों के लिए मुआवजे की भी घोषणा कर दी है। कोरोना महामारी की वजह से एयर इंडिया को बड़ा नुकसान हो रहा है। दरअसल, संकटग्रस्त एयर इंडिया ने कर्मचारियों की संख्या कम करने का प्लान बनाया है। इस प्लान के तहत कर्मचारी बिना वेतन के लंबी छुट्टी पर जा सकते हैं। इसे लीव विदाउट पे (एलडब्ल्यूपी) कहा गया है। यह छुट्टी 6 महीने से लेकर पांच साल तक हो सकती है। कर्मचारियों को उनकी दक्षता, क्षमता, प्रदर्शन की गुणवत्ता, कर्मचारियों का स्वास्थ्य आदि के आधार पर चयन किया जाएगा कि किन्हें छुट्टी पर भेजा जाए। एयर इंडिया की इस योजना के बीच कंपनी के पायलट यूनियन आईसीपीए ने सोमवार को कहा है कि विमान कंपनी द्वारा पायलटों की सैलरी में किसी प्रकार का इकतरफा बदलाव गैरकानूनी होगा। आईसीपीए और इंडियन पायलट्स गिल्ड (आईपीजी) ने पिछले सप्ताह प्रबंधन को भेजे एक संयुक्त पत्र में कहा कि कोरोना महामारी के बीच एयर इंडिया ने पायलट के वेतन में 60 फीसदी कटौती का प्रस्ताव रखा है। 60 फीसदी कटौती का प्रस्ताव रखा है। जबकि टॉप मैनेजमेंट ने अपने कुल वेतन में 3.5 फीसदी कटौती का प्रस्ताव किया है। बता दें कि एयर इंडिया पर लगभग 70,000 करोड़ रुपए का कर्ज है और सरकार ने इसे इस साल जनवरी में इसके निजीकरण की प्रक्रिया शुरू की है इस बीच एविएशन मिनिस्टर हरदीप सिंह पुरी ने एयर इंडिया के इस योजना को सही करार देते हुए कहा कि सरकार के पास कोई और विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार के पास कोई विकल्प होता तो लागत में इतनी कटौती की कोई जरूरत नहीं होती। सरकार इस स्थिति में नहीं है कि वो विमान कंपनियों की कोई आर्थिक मदद कर सके। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना काल से पहले जितनी घरेलू उड़ानों का संचालन होता था, उस तुलना में इस साल दिवाली के अंत तक 55 से 60 फीसदी उड़ाने शुरू हो जाएंगी।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने ढाई प्रतिशत के आढ़तिया कमीशन को बहाल करने की मांग की

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान से आढ़तियों (कमीशन एजेंट) के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के 2.5 प्रतिशत कमीशन की व्यवस्था को बाकायदा बहाल करने का आग्रह किया है। सिंह ने केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री को लिखे पत्र में कहा कि मौजूदा नीति से कोई फेर बदल करने से धान खरीद प्रक्रिया में गंभीर व्यवधान पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि रबी विपणन सत्र (आरएमएस) के लिए प्रदान किया गया एकसमान दर (फ्लैट रेट) वाला कमीशन, एमएसपी के 2.5 प्रतिशत के वैधानिक मानदंड के विपरीत था। एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने पासवान से अनुरोध किया कि वे खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी आरएमएस 2020-21 के लिए अस्थायी लागत पत्रक में संशोधन करें। इस लागत पत्रक में आढ़तियों को कमीशन की 46 रुपये प्रति क्विंटल की एकसमान दर देने की अनुमति दी गई है। सिंह ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर आढ़तियों के असंतोष पनप रहा है ।

देश में रह जाएंगे सिर्फ 5 सरकारी बैंक! बड़ा फेरबदल करने की तैयारी में सरकार

बिजनेस डेस्क।

सरकारी इंश्योरेंस कंपनियों और बैंकों के निजीकरण पर सरकार बड़ी तैयारी कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, स्ढुष्ट और एक नॉन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी को छोड़कर बाकी सभी इंश्योरेंस कंपनियों में सरकार अपनी पूरी हिस्सेदारी किस्तों में बेच सकती है। बैंकों के भी निजीकरण का भी बिग प्लान है। इस पर , वित्त मंत्रालय और नीति आयोग के बीच सहमति बनी है साथ ही कैबिनेट ड्रॉफ्ट नोट भी तैयार हो चुका है। विनिवेश के अगले चरण में छह सरकारी बैंकों में बड़ी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी है। इस तरह देश में सार्वजनिक क्षेत्र के सिर्फ 5 बैंक ही होंगे। सरकार और बैंकिंग सेक्टर के सूत्रों के मुताबिक, बैंकिंग इंडस्ट्री की हालत सुधारने के लिए निजीकरण का फैसला लिया जा रहा है। इसके लिए सरकार योजना के पहले चरण में बैंक ऑफ इंडिया सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया इंडियन ओवरसीज बैंक यूको बैंक , बैंक ऑफ महाराष्ट्र और पंजाब एंड सिंध बैंक में मैजोरिटी स्टेक बेचेगी। निजीकरण प्रस्ताव तैयार कर कैबिनेट को सौंपेगी सरकार एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया, सरकार चाहती है कि देश में सिर्फ 4 या 5 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक रह जाएं। मौजूदा समय में देश में 12 सरकारी बैंक हैं। बता दें कि इसी साल सरकार ने 10 सरकारी बैंकों का विलय कर 4 राष्ट्रीयकृत बैंकों में तब्दील कर दिया था। इसके बाद 1 अप्रैल 2020 से देश में सरकारी बैंकों की कुल संख्या 12 रह गई, जो 2017 में 27 थी। अधिकारी ने बताया कि इस तरह की योजना को एक नए निजीकरण प्रस्ताव में रखा जाएगा, जिसे सरकार अभी तैयार कर रही है। फिर इसे कैबिनेट के सामने मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। कोरोनो वायरस के कारण आर्थिक विकास की रफ्तार में कमी के कारण नकदी की समस्या से जूझ रही सरकार नॉन-कोर कंपनियों और सेक्टर्स में परिसंपत्तियों को बेचकर पूंजी जुटाने में मदद करने के लिए एक निजीकरण योजना पर काम कर रही है।

कुछ सरकारी समितियों और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने सरकार को सुझाव दिया है कि देश में पांच से ज्यादा सरकारी बैंक नहीं होने चाहिए। एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सरकारी पहले ही कह चुकी है कि अब सरकारी बैंकों का आपस में और विलय नहीं किया जाएगा। ऐसे में सरकार के पास सरकारी बैंकों में अपनी हिस्सेदारी बेचने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता है।

कोविड-19 के बाद अर्थव्यवस्था को स्वस्थ बनाने में बैंकों की होगी महती भूमिका: स्वास्थ्य मंत्री

नयी दिल्ली।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 के बाद अर्थव्यस्था को फिर से मजबूत बनाने में बैंकिंग क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि अभिनव भारत अभियान का क्रियान्वयन बैंकों के हाथ में है। उन्होंने कोविड-19 के फैलाव को रोकने हेतु मास्क और सैनिटाइजर के वितरण के लिए पंजाब नेशनल बैंक के राष्ट्रव्यापी सीएसआर अभियान की शुरुआत की। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार स्वास्थ्य मंत्री ने इस अवसर पर कहा, ''प्रधानमंत्री के आत्म-निर्भर भारत अभियान को आगे बढ़ाने के साधन के रूप में कोविड के बाद की अर्थव्यवस्था में जान फूंकने में बैंकिंग क्षेत्र की बड़ी भूमिका होगी।'' उन्होंने कहा कि कोविड से निपटने की लड़ाई देश में प्रत्येक नागरिक के सहयोग से ही जीती जा सकती है। इस मौके पर पंजाब नेशनल बैंक के एमडी और सीईओ एस.एस. मल्लिकार्जुन राव और बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इसमें पीएनबी के देश भर में मौजूद 22 अंचल कार्यालयों ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। राष्ट्रीय कार्यों में पीएनबी के योगदान की सराहना करते हुए हर्षवर्धन ने कहा कि पंजाब नेशनल बैंक भारत का पहला स्वदेशी बैंक है जिसकी स्थापना राष्ट्रवाद की भावना के साथ की गयी थी और यह लाला लाजपत राय जैसे स्वतंत्रता सेनानियों से प्रेरित था। इस बैंक को जलियांवाला बाग समिति का खाते खोलने का गौरव हासिल है जिसे बाद में महात्मा गांधी और पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा संचालित किया गया था। उन्होंने कहा कि मास्क का इस्तेमाल और हाथों की अच्छी तरह सफाई कोविड से निपटने में उपयुक्त व्यवहार और यह इस बीमारी से बचने के लिए फिलहाल मौजूद सबसे अच्छा 'सामाजिक टीका' है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कोविड-19 से निपटने की सामूहिक लड़ाई का उल्लेख करते कहा कि चीन द्वारा विश्व समुदाय को वायरस के बारे में सूचित किए जाने के 24 घंटे के भीतर ही विशेषज्ञों की समिति की पहली बैठक स्वास्थ्य मंत्रालय में आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि जनवरी, 2020 में पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में कोरोना वायरस के परीक्षण के लिए ।

टाटा ग्रुप पर टाटा परिवार का कोई विशेष अधिकार नहीं, कोई भी संभाल सकता है कमान : रतन टाटा

बिजनेस डेस्क।

देश के सबसे बड़े बिजनेस हाउस में से एक टाटा ग्रुप के टाटा ट्रस्ट्स पर टाटा परिवार का कोई विशेष अधिकार नहीं है और आगे चलकर परिवार के बाहर का भी व्यक्ति इसकी कमान संभाल सकता है। ये बातें रतन टाटा ने सुप्रीम कोर्ट में कहीं है। उन्होंने कहा, मैं फिलहाल इन ट्रस्ट का चेयरमैन हूं लेकिन फ्यूचर में कोई और भी यह पद संभाल सकता है। ये जरूरी नहीं है कि उसका सरनेम टाटा हो। एक व्यक्ति की जिंदगी निश्चित होती है जबकि ये संस्थाएं काम करती रहेंगी। आपको बता दें कि साल 1892 में ही टाटा ट्रस्ट का गठन कर दिया था, जिससे कल्याणकारी कार्यों के लिए धन की कमी नहीं हो। यह भी जानना महत्वपूर्ण है कि टाटा समूह की सभी कंपनियों का प्रधान निवेशक टाटा संस है और टाटा संस की 66 फीसदी हिस्सदारी टाटा ट्रस्ट के पास है। इस हिस्सेदारी का डिविडेंड ट्रस्ट के पास आता है, ताकि परोपकार के लिए धन का अभाव नहीं हो। मिस्त्री परिवार की कंपनी सायरस इनवेस्टमेंट द्वारा दायर याचिका के जवाब में रतन टाटा ने कहा कि टाटा ट्रस्ट्स और यहां तक कि टाटा संस के चेयरमैन पद पर टाटा परिवार का कोई विशेष अधिकार नहीं है। रतन टाटा ने यह बात ऐसे समय कही है जब माना जा रहा है कि वह टाटा ट्रस्ट्स के मैनेजमेंट को भविष्य की जरूरतों के मुताबिक बदलने की योजना पर काम कर रहे हैं। मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने कहा, टाटा विभिन्न क्षेत्रों के शीर्ष लोगों की एक समिति बना सकते हैं। इसमें खासकर ऐसे लोगों को तवज्जो दी जा सकती है जो फिलैन्थ्रॉपी और ह्युमैनिटीज बैकग्राउंड के हैं। रतन टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स दोनों की कमान संभालने वाले आखिरी चेयरमैन थे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि टाटा संस के मौजूदा चेयरमैन टाटा परिवार के नहीं हैं। रतन टाटा ने सुप्रीम कोर्ट में साथ ही कहा कि टाटा संस में टाटा परिवार के सदस्यों की 3 फीसदी से भी कम हिस्सेदारी है। परिवार के सदस्यों को कोई विशेष अधिकार या भूमिका नहीं दी गई है। होल्डिंग कंपनी में ग्रुप कंपनियों की कुल मिलाकर 13 फीसदी हिस्सेदारी है और कोई विशेष अधिकार नहीं है।

आंध्र प्रदेश सरकार ने अतिरिक्त राजस्व जुटाने के लिये पेट्रोल, डीजल पर कर बढ़ाया

अमरावती।

आंध्र प्रदेश सरकार ने संसाधनों की तंगी होने का हवाला देते हुये सोमवार को राज्य में पेट्रोल और डीजल पर करों में संशोधन किया। इससे राज्य में पेट्रोल का दाम 1.24 रुपये और डीजल का दाम 0.93 रुपये प्रति लीटर बढ़ गया। इस उपाय से राज्य को 600 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। राज्य सरकार के जारी आदेश के मुताबिक आंध्र प्रदेश मूल्य वर्धित कर अधिनियम 2005 के प्रावधानों को संशोधित किया गया है जिसके तहअत पेट्रोल के लिये संशोधित दर 31 प्रतिशत कर और उसके ऊपर चार रुपये प्रति लीटर का अतिरिक्त शुल्क लगाया जायेगा। इसी प्रकार डीजल केलिये यह 22.25 प्रतिशत और उसके ऊपर चार रुपये प्रति लीटर का अतिरिक्त शुल्क होगा। कोविड-19 लॉकडाउन के कारण राज्य सरकार का राजस्व काफी घट गया। अप्रैल 2020 में राज्य का अपना राजस्व केवल 1,323 करोड़ रुपये रहा जबकि एक साल पहले अप्रैल में राज्य को 4,480 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। राज्य के विशेष मुख्य सचिव (राजस्व) रजत भार्गव ने आदेश में कहा है कि इसी प्रकार का रुख मई और जून में भी देखा गया है। इन परिस्थितियों को देखते हुये और वित्तीय संकट से बाहर निकलने के लिये राज्य सरकार ने सोच विचार के बाद वापस 2015 और 2018 की कर व्यवसथा की तरफ लौटने का फैसला किया। भार्गव ने कहा, ''हमने यह सुनिश्चित किया है कि कुल दाम 2015 और 2018 के दौरान के स्तरों से ऊपर नहीं निकलें।

कई राज्यों में इसी तरह की स्थिति बनी है और उन्होंने भी राजस्व नुकसान की भरपाई के लिये कर बढ़ायें हैं।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

पहले 2 हफ्तों में एनएफएल खिलाड़ियों का रोजाना कारोना वायरस परीक्षण होगा

वाशिंगटन । नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) के नए नियमों के अनुसार ट्रेनिंग शिविर के कम से कम पहले दो हफ्तों में सभी खिलाड़ियों का कोरोना वायरस के लिए रोजाना परीक्षण किया जाएगा। एनएफएल और खिलाड़ियों की यूनियन के बीच सोमवार को यह समझौता हुआ। इस बीच ह्यूस्टन और कनसास के खिलाड़ियों ने शिविर के लिए पहुंचने की तैयारी कर ली है। अन्य टीमों के खिलाड़ी मंगलवार से जुटना शुरू होंगे। एनएफएल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एलेन सिल्स ने कहा कि खिलाड़ियों के शारीरिक जांच और किसी तरह की टीम गतिविधि के लिए इमारत में प्रवेश के लिए एक से अधिक परीक्षण में नेगेटिव आना जरूरी होगा।एनएफएल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एलेन सिल्स ने कहा कि खिलाड़ियों के शारीरिक जांच और किसी तरह की टीम गतिविधि के लिए इमारत में प्रवेश के लिए एक से अधिक परीक्षण में नेगेटिव आना जरूरी होगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया

टी20 विश्व कप स्थगित होने पर ऑस्ट्रेलिया ने कहा- 16 टीमों की मेजबानी में काफी जोखिम था

मेलबर्न ।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को कहा कि वह कोविड-19 महामारी के कारण इस साल होने वाले टी20 विश्व कप को स्थगित करने के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के फैसले को स्वीकार करता है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दोहराया कि 'मौजूदा माहौल में 16 टीमों की मेजबानी करने में काफी जोखिम था। आईसीसी ने दो महीने से अधिक समय तक विभिन्न आपात योजनाओं पर चर्चा के बाद सोमवार को टी20 विश्व कप को स्थगित कर दिया था। वैश्विक संस्था ने हालांकि अब तक फैसला नहीं किया है कि क्या भारत और आस्ट्रेलिया 2021 और 2022 में होने वाली प्रतियोगिताओं की आपस में अदला बदली करेंगे या नहीं। इन दोनों प्रतियोगिताओं का आयोजन अक्टूबर-नवंबर की विंडो में होना है। सीए के अंतरिम मुख्य कार्यकारी और आईसीसी टी20 विश्व कप 2020 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले ने बयान में कहा, 'कोविड-19 महामारी दुनिया भर में खेल टूर्नामेंटों को प्रभावित कर रही है और क्रिकेट भी इससे बचा हुआ नहीं है। उन्होंने कहा, 'मौजूदा हालात में अक्टूबर में 16 टीमों की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए मेजबानी करने में जटिलता और जोखिम आईसीसी के लिए टूर्नामेंट को स्थगित करने के लिए पर्याप्त थी। टी20 विश्व कप का आयोजन ऑस्ट्रेलिया में 18 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच किया जाना था लेकिन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मई में ही विक्टोरिया राज्य में कोरोना वायरस मामले बढ़ने के बाद टूर्नामेंट की मेजबानी में असमर्थता जताई थी। हॉकले ने कहा, 'हम ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप को स्थगित करने के आईसीसी के फैसले को स्वीकार करते हैं। यह फैसला प्रशंसकों, खिलाड़ियों, अधिकारियों और अन्य स्टाफ की सुरक्षा और सेहत को ध्यान में रखते हुए किया गया है। ऑस्ट्रेलिया ने इसी साल फरवरी-मार्च में महिला टी20 विश्व कप की सफल मेजबानी की थी और देश को पुरुष प्रतियोगिता की भी सफल मेजबानी की उम्मीद थी। हॉकले ने कहा, 'आस्ट्रेलिया में इस साल टूर्नामेंट की मेजबानी में काफी कड़ी मेहनत लगी थी और इससे जुड़े सभी लोगों को उनके जज्बे और प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा, 'इस साल की शुरुआत में हुए आईसीसी महिला टी20 विश्व कप को आस्ट्रेलियाई खेल में अहम लम्हे के रूप में याद किया जाएगा और मुझे कोई शक नहीं था कि पुरुष टूर्नामेंट भी इतना ही शानदार होता। मई में सीए ने छह महीने के गर्मियों के बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम की घोषणा की थी ।

छेत्री की महिला फुटबालरों को सलाह, कहा- हर छोटे पहलू पर करो गौर

नई दिल्ली ।

भारत के शीर्ष फुटबालर सुनील छेत्री ने राष्ट्रीय महिला टीम की खिलाड़ियों को देश में 2022 में होने वाले एशियाई कप के लिये तैयारियों के दौरान अपने खेल के हर छोटे पहलू पर गौर करने के लिये कहा है। एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) ने पिछले महीने पुष्टि की कि भारत 2022 में महिलाओं की महाद्वीपीय प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। इसकी तिथियों और मैच स्थलों की अभी घोषणा नहीं की गयी है। छेत्री ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की विज्ञप्ति में कहा, 'यह शानदार अवसर है कि वे (भारतीय महिला खिलाड़ियों को) एशिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ इस तरह के उच्च स्तर के टूर्नामेंट में खेलेंगी। आप इस तरह के स्तर पर खेलना चाहते हो। उन्होंने कहा, 'मैं उनसे आग्रह करूंगा कि वे अभी टूर्नामेंट की तैयारियां शुरू कर दें। अपने खेल के हर छोटे पहलू पर गौर करें और उसमें सुधार करने की कोशिश करें। गेंद पर आपका नियंत्रण, तेजी, गोल बचाने की कला, शॉट जमाना, शरीर का अतिरिक्त वजन घटाना इन सबके लिये तैयारियां अभी से शुरू हो जानी चाहिए। छेत्री ने कहा, 'एक बार जब आप खुद को हर तरह से तैयार कर लेते हो तो फिर टूर्नामेंट शुरू होने पर उसका पूरी तरह से लुत्फ उठाओ। आपको महाद्वीपीय स्तर पर खेलने का मौका हमेशा नहीं मिलता और आप इस क्षण का पूरा आनंद लो यह महत्वपूर्ण है।

पूर्व कप्तान छेत्री ने कहा- भारत टोक्यो में हॉकी ओलंपिक पदक दोबारा हासिल कर सकता है

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक जीतने का पूर्व भारतीय हॉकी गोलकीपर भरत छेत्री का सपना पूरा नहीं हुआ लेकिन उनका मानना है कि मनप्रीत सिंह और उनकी टीम अगले साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक में पदक के चार दशक लंबे इंतजार को खत्म कर सकती है। ओलंपिक में भारतीय हॉकी का शानदार इतिहास रहा है और उसने खेलों के महाकुंभ में आठ स्वर्ण पदक सहित एक रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं। छेत्री ने हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'युवा भरत कहता कि मेरा सपना ओलंपिक में पदक जीतना है लेकिन उम्रदराज भरत, भारतीय हॉकी के प्रशंसक के तौर पर, टोक्यो ओलंपिक खेलों में टीम को देश के लिए पदक जीतते हुए देखना चाहता है। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ एक सपना नहीं है, यह एक विश्वास है, जो मैंने मौजूदा खिलाड़ियों में देखा है, गोलकीपिंग और सहायक कोच के रूप में टीम के साथ जुड़े होने के दौरान भी मैंने ऐसा देखा है। छेत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे पास जो प्रतिभा है उसके साथ फिटनेस के शीर्ष स्तर से दोनों संबंधित मुख्य कोचों के मार्गदर्शन में हमारे पास अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अच्छा मौका है। इस पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि लंदन ओलंपिक में अंतिम स्थान पर रहने के बाद भारतीय टीम ने खेल के सभी विभागों में सुधार किया है और यह उसकी विश्व रैंकिंग में भी दिखता है ।

साथियान ने सोकोलॉव एसए जारोस्लॉव के साथ करार किया

कोलकाता।

भारतीय शीर्ष पुरुष टेबल टेनिस खिलाड़ी जी साथियान ने 2020-21 सीजन के लिए पोलैंड सुपरलीगा की मौजूदा चैंपियन सोकोलॉव एसए जारोस्लॉव के साथ करार किया है। पोलिश सुपरलीगा इस साल सितंबर में शुरू होनी है और साथियान का पोलैंड दौरा भारत में कोविड-19 की स्थिति पर निर्भर करेगा। साथियान इसके बाद टी लीग में खेलने के लिए जापान का दौरा करेंगे। वर्ल्ड नंबर-32 साथियान ने इस साल फरवरी में जापान की प्रीमियर टेबल टेनिस लीग के साथ करार किया था। लीग में वह ओकायामा रिवेटस टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे, जोकि अक्टूबर से शुरू होगी। साथियान ने मंगलवार को आईएएनएस से कहा, मैंने पोलैंड में बहुत कम समय के लिए, करीब 4-5 मैच के लिए करार किया है। जब मैं यूरोप में होऊंगा तो मैं अधिक अभ्यास मैच करूंगा क्योंकि लीग की क्वालिटी और पोलैंड में विदेशी खिलाड़ी काफी बेहतरीन हैं। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, जब यूरोप में प्रो टूर्स होगा तो जापान में लीग आयोजित नहीं होगी। यह लगातार है और यूरोप लीग के साथ भी ऐसा ही है। सभी मैच लगातार आयोजित किए जाएंगे। जापान में भी मैं केवल 12 मैच खेल रहा हूं। इसलिए मैंने सोचा कि जब मैं यूरोप में हूं,तो क्यों नहीं इस समय अधिक अभ्यास मैच में भाग लूं, खासकर तब जब कोई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा, सबकुछ भारत में स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर करेगा। मुझे केवल तभी पैसे मिलेंगे जब मैं मैच खेलूंगा। मुझे उम्मीद है कि सबकुछ अच्छा होगा। साथियान ने कहा कि उनका दौरा भारत में कोविड-19 की स्थिति पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा, सबकुछ भारत में स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर करेगा। मुझे केवल तभी पैसे मिलेंगे जब मैं मैच खेलूंगा। मुझे उम्मीद है कि सबकुछ अच्छा होगा। साथियान ने कहा कि उनका दौरा भारत में कोविड-19 की स्थिति पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा, सबकुछ भारत में स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर करेगा। मुझे केवल तभी पैसे मिलेंगे जब मैं मैच खेलूंगा।

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल बम मिलने के बाद यूनान कप फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल स्थगित

एथेंस। यूनान कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल को स्थगित कर दिया गया है क्योंकि आयोजकों को प्रशंसकों के द्वारा संगठित हिंसा का डर है। पुलिस को मैच के आयोजन स्थल के समीप छिपाकर रखे हुए पेट्रोल बम और लकड़ी के बल्ले मिले हैं जिसके बाद यह कदम उठाया गया। एईके एथेंस और ओलंपियाकोस को रविवार को होने वाले फाइनल में उतरी एथेंस के जार्जियोस कमारास स्टेडियम में भिड़ना था। यूनान फुटबॉल संघ ने हालांकि मैच को स्थगित कर दिया है और कहा है कि नई तारीख और संभावित नए स्थल की तलाश की जाएगी।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल से यूवेंटस ने लाजियो को हराया, खिताब के करीब

तूरिन। दूसरे हॉफ के तीन मिनट में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल से यूवेंटस ने लाजियो को 2-1 से हराकर सिरी ए खिताब की ओर मजबूत कदम बढ़ाए। रोनाल्डो ने साथ ही सुनिश्चित किया कि टीम को मौजूदा सत्र में तीसरी बार लाजियो के खिलाफ हार का सामना नहीं करना पड़ा। अब जब चार दौर का खेल बाकी है तब यूवेंटस ने दूसरे स्थान पर मौजूद इंटर मिलान पर आठ अंक की बढ़त बना ली है जबकि अटलांटा से नौ और लाजियो से 11 अंक आगे है। यूवेंटस ने इसके साथ ही दिसंबर में सिरी ए और इंटैलियन सुपर कप में लाजियो के खिलाफ हार का बदला भी चुकता कर लिया। रोनाल्डो ने वीएआर से हैंडबॉल का पता चलने पर मिली पेनल्टी को गोल में बदला और फिर पाउलो डाइबाला के पास को गोल में बदला। काइरो इमोबाइल ने 83वें मिनट में पेनल्टी पर लाजियो की ओर से एकमात्र गोल दागा। रोनाल्डो और इमोबाइल 30 गोल के साथ लीग में सर्वाधिक गोल दागने वालों की सूची में शीर्ष पर हैं।

यूरोपा लीग में जगह बनाने के करीब

वोल्वरहैम्पटन । वोल्वरहैम्पटन ने क्रिस्टल पैलेस को 2-0 से हराकर यूरोपा लीग में क्वालीफाई करने की ओर कदम बढ़ाए और साथ ही शेफील्ड यूनाइटेड की यूरोपीय फुटबॉल के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को भी तोड़ दिया। डेनियल पोडेंस और जोनाथन कास्ट्रो के गोल से जीत दर्ज करके वोल्व्स की टीम इंग्लिश प्रीमियर लीग में टोटेनहैम को पछाड़कर छठे स्थान पर पहुंच गई है। टीम के लिए हालांकि छठे स्थान पर बने रहना मुश्किल होगा। उसे अपने अंतिम मैच में चेल्सी से भिड़ना है जो चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई करने की कोशिशों में जुटी है। टोटेनहैम को पैलेस का सामना करना है जो लगातार सात मैच हार चुकी है। आठवें स्थान पर चल रहे शेफील्ड को एवर्टन के खिलाफ 0-1 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। खिलाफ 0-1 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। वोल्व्स की जीत से अब शेफील्ड की टीम यूरोपा लीग में जगह नहीं बना पाएगी।

आईपीएल के यूएई में होने की संभावना: बृजेश पटेल

नयी दिल्ली।

टी20 विश्व कप के टलने से पूर्ण आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) के आयोजन की संभावना बढ़ गई है जिसे देखते हुए टूर्नामेंट की संचालन परिषद (जीसी) अगले एक सप्ताह या 10 दिनों के अंदर बैठक कर आगे की योजना को तैयार करेगी। इस बात की संभावना अधिक है कि आईपीएल का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में होगा। कोविड-19 के कारण आईपीएल को अपने तय समय पर नहीं खेला जा सका था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस साल अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तावित टी20 विश्व कप को स्थगित कर दिया जिससे सितंबर से नवंबर की शुरूआत तक आईपीएल के आयोजन का समय मिल गया है। आईपीएल संचालन परिषद के अध्यक्ष बृजेश पटेल ने पीटीआई-भाषा से कहा, '' आईपीएल जीसी एक सप्ताह या 10 दिनों के भीतर बैठक कर हर तरह का निर्णय (अंतिम कार्यक्रम) लेगी। अब तक की योजना यही है कि 60 मैचों वाले पूर्ण आईपीएल का आयोजन हो। इस बात की संभावना अधिक है कि इसका आयोजन यूएई में होगा।'' पटेल ने वर्तमान परिदृश्य में टूर्नामेंट के संचालन में मुख्य चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर कहा, '' मुश्किल सिर्फ इसके परिचालन को लेकर है। आप इसका आयोजन देश में करें या बाहर, इससे काई फर्क नहीं पड़ता (कोई दर्शक नहीं होंगे)। आईसीसी की घोषणा से पहले ही आईपीएल से जुड़ी फ्रेंचाइजियों ने अपनी योजनाओं पर काम करना शुरु कर दिया था। महामारी के दौरान ज्यादातर भारतीय खिलाड़ियों की मैदान तक पहुंच नहीं होने के कारण, टीमों को तैयारी करने के लिए कम से कम तीन से चार सप्ताह की आवश्यकता होगी। विदेशी खिलाड़ी सीधे अपने देशों से संयुक्त अरब अमीरात पहुंचेंगे। टीम के एक मालिक ने पीटीआई-भाषा से कहा, '' हमारे खिलाड़ियों को कम से कम तीन से चार सप्ताह के अभ्यास की आवश्यकता होगी।

बीसीसीआई से तारीखों की घोषणा होने के बाद हम अपनी सभी योजनाओं को अंतिम रूप देंगे। ऐसा लग रहा है कि आईपीएल यूएई में होगा और हम इसके लिए तैयार हैं।'' आईपीएल के बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी जिसमें टेस्ट खिलाड़ियों के अभ्यास का मुद्दा अहम होगा। चेतेश्वर पुजारा और हनुमा विहारी जैसे टेस्ट विशेषज्ञ, जो आईपीएल का हिस्सा नहीं हैं। चेतेश्वर पुजारा और हनुमा विहारी जैसे टेस्ट विशेषज्ञ, जो आईपीएल का हिस्सा नहीं हैं। ये खिलाड़ी आईपीएल के समय में अहमदाबाद के पुनर्निर्मित मोटेरा स्टेडियम में जैव-सुरक्षित वातावरण में अभ्यास कर सकते हैं। महामारी के दौरान 'घर से काम' की सफलता को देखते हुए इस बात की संभावना है कि आईपीएल कमेंट्री घर से होगी। यह सुरक्षित और लागत को कम करने वाला विकल्प होगा जिससे 71 साल के सुनील गावस्कर जैसे कामेंटेटर को सहूलियत होगी। किंग्स इलेवन पंजाब के सह-मालिक नेस वाडिया ने कहा कि दर्शक लाइव क्रिकेट के लिए तरस रहे हैं और ऐसे में इस आईपीएल को टेलीविजन पर रिकार्ड संख्या में लोग देखेंगे। यह देखना हालांकि बाकी है कि प्रसारणकर्ता मौजूदा वित्तीय माहौल में प्रायोजकों से कितना आकर्षित कर पाता है। आईपीएल जीसी बैठक में जिन मुद्दों का हल खोजा जाएगा उनमें 1) एक दिन में अधिक दो मैचों का आयोजन 2) बीसीसीआई को आईपीएल टीमों को एक मानक संचालन प्रक्रिया प्रदान करने की आवश्यकता होगी, भले ही उनके पास अपने एसओपी होंगे। 3 इस साल दर्शक स्टेडियम में नहीं जा पायेंगे जिससे फ्रेंचाइजियों को नुकसान होगा, क्या बीसीसीआई फ्रेंचाइजियों की भरपायी करेगी।

चौथी बार कोरोना पॉजिटिव निकले हारिस राऊफ, कोच मिसबाह ने दिया बयान

कराची। पाकिस्तान के मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता मिसबाह उल हक ने कहा है कि युवा तेज गेंदबाज हारिस राऊफ के पास टेस्ट और टी20 श्रृंखला के लिए इंग्लैंड में राष्ट्रीय टीम से जुड़ने के लिए अधिक समय नहीं है। बांग्लादेश के खिलाफ इस साल की शुरुआत में घरेलू श्रृंखला के दौरान पदार्पण करने वाले राऊफ कोरोना वायरस परीक्षण में लगातार पॉजिटिव पाए गए हैं। पिछले हफ्ते हुए परीक्षण में भी यह तेज गेंदबाज दोबारा पॉजिटिव पाया गया और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने उन्हें लाहौर के पांच सितारा अस्पताल में खिलाड़ियों के लिए तैयार जैविक रूप से सुरक्षित वातावरण से घर वापस लौटने की सलाह दी। लगातार पॉजिटिव पाए जाने के बाद पिछले दो हफ्ते से राऊफ होटल में हैं। इंग्लैंड दौरे के लिए 29 सदस्यीय टीम में जगह बनाने वाले राऊफ के अब इस दौरे से बाहर होने की संभावना है क्योंकि पीसीबी ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के इंग्लैंड में टीम से जुड़ने की घोषणा की है। बोर्ड ने सोमवार को बयान में कहा कि आमिर और दूसरे मालिशिए इमरान का लाहौर में कोरोना वायरस परीक्षण हुआ और अगर उनका दूसरा परीक्षण भी नेगेटिव आया तो वे इंग्लैंड रवाना होंगे। आमिर शुरुआती टीम में शामिल नहीं थे क्योंकि अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण उन्होंने दौरे पर नहीं जाने का विकल्प चुना था। मिसबाह ने कहा कि आमिर को टीम में शामिल करने से पहले उन्होंने कप्तानों और साथी चयनकर्ताओं से सलाह मशविरा किया। मिसबाह ने कहा कि वह राऊफ को अधिक अनुभव दिलाना चाहते थे इसलिए टीम में चुना लेकिन दुर्भाग्य से उसके पॉजिटिव नतीजे के कारण सारी योजना पर पानी फिर गया। चुना लेकिन दुर्भाग्य से उसके पॉजिटिव नतीजे के कारण सारी योजना पर पानी फिर गया। मिसबाह ने कहा कि वह राऊफ को अधिक अनुभव दिलाना चाहते थे इसलिए टीम में चुना लेकिन दुर्भाग्य से उसके पॉजिटिव नतीजे के कारण सारी योजना पर पानी फिर गया।

आईसीसी रैंकिंग में बेन स्टोक्स का जलवा, बने दुनिया के नंबर एक टेस्ट ऑलराउंडर

दुबई।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड के बेन स्टोक्स विंडीज के कप्तान जैसन होल्डर को पछाड़कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की जारी ताजा टेस्ट रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक ऑलराउंडर बन गए हैं। स्टोक्स ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले गए तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन किया था जिसकी बदौलत इंग्लैंड ने इस मुकाबले में विंडीज को 113 रनों से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली थी। स्टोक्स ने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 176 रन की शतकीय पारी तथा दूसरी पारी में नाबाद 78 रन बनाए थे ।

जबकि मैच में तीन विकेट भी झटके थे। स्टोक्स ताजा रैंकिंग में 497 अंकों के साथ दूसरे स्थान से पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। विंडीज के कप्तान होल्डर एक स्थान लुढ़कर 459 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। होल्डर दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 32 रन देकर एक विकेट जबकि दूसरी पारी में 33 रन देकर एक भी विकेट नहीं ले सके थे।

इस पूर्व दिग्गज ने दी विंडीज टीम को सलाह, कहा- शाई होप को आखिरी टेस्ट में दे आराम

मैनचेस्टर। पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज कर्टली एम्ब्रोस ने कहा कि वेस्टइंडीज को इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के निर्णायक तीसरे टेस्ट मैच से शाई होप को आराम देना चाहिए क्योंकि बार-बार असफलता उसके करियर को प्रभावित कर सकती है। एम्ब्रोस ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा 'हेडिंग्ले में शानदार शतक लगाने के बाद इस बल्लेबाज के साथ कुछ गलत हो रहा है। होप ने 2017 की श्रृंखला में हेडिंग्ले में दो शतकीय पारियां खेली थी। यह विकेटकीपर-बल्लेबाज इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला की अपनी चार पारियों में 30 रन के आंकड़े को भी पार नहीं कर पाया हैं। वेस्टइंडीज के लिए टेस्ट और एकदिवसीय में 630 विकेट लेने वाले एम्ब्रोस ने कहा, 'हमें अभी जैसा दिख रहा है वह उससे काफी बेहतर खिलाड़ी है। जाहिर तौर पर उसका आत्मविश्वास अभी कम है। संभव हो तो उसे अगले मैच में विश्राम देना चाहिए ताकि वह कुछ आत्मविश्वास हासिल कर सके। उन्होंने कहा, 'अगर वह इसी तरह असफल होता रहा तो उसका करियर प्रभावित हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दोमट मिट्टी में करें दलहन की खेती

उड़द व मूंग की खेती मिश्रित और शुद्ध दोनों रूपों में की जाती है। खरीफ फसल मौसम की ये दोनों महत्वपूर्ण फसल हैं। इसे खेत सुधारने वाली फसल भी कहते हैं तथा जानवर के चारा के रूप में भी प्रयोग करते हैं।

उड़द में प्रोटीन की मात्र 23.5 प्रतिशतए काबरेहाइड्रेट 71 प्रतिशत, वसा 18 प्रतिशत और मूंग में प्रोटीन की मात्र 25.6 प्रतिशत, काबरेहाइड्रेट 69. 2 प्रतिशतए वसा 1.3 प्रतिशत के अलावा अन्य पोषक तव जैसे कैल्शियम, फॉस्फोरस, लोहा, पोटाश पाया जाता है। यह ऊर्जा का प्रमुख श्रोत है। उड़द में 38.5 किलो और मूंग में 38.1 किलो कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। जहां पानी की सुविधा हो वहां गरमा मूंग की खेती करनी चाहिए और खरीफ मौसम में उड़द की खेती ज्यादा लाभकारी होती है। उड़द और मूंग की भरपूर पैदावार के लिए निम्नलिखित उत्पादन कारकों एवं विधियां को ध्यान में रखकर उड़द व मूंग की अच्छी पैदावार की जा सकती है।

भूमि का चुनाव

उड़द व मूंग की खेती विभिन्न प्रकार की जमीन पर की जा सकती है। लेकिन अच्छे जल निकासी वाली ऊंची भूमि, दोमट मिट्टी जिसका पीएच मान 6.0 से 6.5 के बीच हो, वह उड़द व मूंग की खेती के लिए उपयुक्त है।

खेत की तैयारी

खेत की 2.3 बार देसी हल से जुताई करने के बाद पाटा आवश्यक है। खेत की अंतिम जुताई के समय क्लोरपायरीफॉस पांच प्रतिशत, धूल 25 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से भुरकाव करें, ताकि दीमक का प्रकोप कम हो सके। जरूरत के अनुसार ग्रीष्मकालीन फसल में 10 किलो फोरेट प्रति हेक्टेयर की दर से डालने से कीड़े के प्रकोप को कम किया जा सकता है।

बीजोपचार

बीज जनित एवं मृदा जनित रोगों से फसल के बचाव के लिए बोने से पहले बीज को दो ग्राम बैविस्टीन प्रति किलोग्राम की दर से शोधित करना चाहिए। इसके पश्चात कम से कम आंधे घंटे बाद कीटनाशक दवा इमिडाक्लोपरीड तीन मिलीलीटर या डाइमिथोएट पांच मिलीलीटर की मात्र को 50 मिलीलीटर पानी में घोल बना कर उसे एक किलोग्राम बीज में अच्छी तरह मिलाने के बाद छाया में सुखाकर बोआई करनी चाहिए। इससे मृदा में उपस्थित हानिकारक कीटों से बचा जा सकता है। दीमक से बचाव के लिए छह मिलीलीटर क्लोरपायरीफॉस तरल का 50 मिलीलीटर पानी में घोल बनाकर उसे एक किलोग्राम बीज में अच्छी तरह मिलाने के बाद छाया में सुखाकर बोआई करनी चाहिए।

उड़द और मूंग की अच्छी पैदावार के लिए बीजों का राइजोबियम कल्चर तथा जहां पर भूमि में फॉस्फोरस की कमी है, वहां पर पीएसबी कल्चर 20 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज दर से उपचार करना चाहिए। राइजोबियम कल्चर के बीज से मिलाने के लिए आधा लीटर पानी में 100 ग्राम गुड़ डालकर घोल बनाकर उबाल लें और ठंडा कर लें। घोल ठंडा होने के बाद इस घोल में राइजोबियम कल्चर का एक पैकेट मिला दें तथा 10 किलो बीज के ऊपर से मिश्रण को मिलायें। इसके बाद उपचारित बीज को दो से तीन घंटे छाया में सुखाकर बोआई करें। बीज उपचार करने का सही क्रम पहले फफूंदी,

कीटनाशी, जीवाणुनाशी फिर राइजोबियम कल्चर तथा अंत मे पीएसबी कल्चर है।

उन्नत किस्में

मूंग : झारखंड में इसकी खेती खरीफ तथा जायद (बसंत एवं ग्रीष्मकालीन) मौसम में होती है। पूसा विशाल व एसएमएल 668 अच्छी किस्में हैं?

उड़द : बिरसा उड़द 1, पंत उड़द 19, उत्तरा।

बुआई एवं बीज दर

खरीफउड़द एवं खरीफ मूंग की पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 सेंटीमीटर रखी जानी चाहिए। बीज दर 25 किलो प्रति हेक्टेयर होना चाहिए तथा बोआई जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई मध्य तक की जानी चाहिए। बसंतकालीन या ग्रीष्मकालीन मूंग को पंक्ति से पंक्ति की दूरी 25 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौधे की दूरी आठ सेंटीमीटर होती है। बीज दर 30 किलो प्रति हेक्टेयर उपयोग की जाती है। बसंतकालीन फसल की बोआई मार्च के प्रथम पखवारा में की जाती है तथा ग्रीष्मकालीन फसल की बोआई अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक की जाती है।

उर्वरक की मात्र

उड़द और मूंग की अच्छी पैदावार लेने के लिए 20 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम फॉस्फोरस 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिए। उर्वरकों की यह मात्र 100 किलोग्राम डीएपीए 33 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश व 125 किलोग्राम फास्फोजिप्सम प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिए। यदि फॉस्फोरस सिंगल सुपर फॉस्फेट के रूप में खेत में देते हैं तो फसल को सल्फर भी उपलब्ध हो जाता है। तब फसल को 33 किलोग्राम यूरिया, 250 किलोग्राम एसएसपी तथा 33 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिए। जिन खेतों की मिट्टी अम्लीय हो उसमें चूना तीन-चार क्विंटल प्रति हेक्टेयर को कूड़ों में मिला कर प्रयोग करना चाहिए।

खर-पतवार नियंत्रण

खर-पतवार से 30 से 40 प्रतिशत तक की उपज में कमी होती है। उड़द और मूंग की निकाई-गुड़ाई दो बार करनी चाहिए। पहली बोआई के 20 दिनों बाद व दूसरी 40 दिनों के बाद करनी चाहिए। खरपतवारनाशी रसायन पेंडीमिथेलिन 2.5.3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 600 लीटर पानी का घोल बनाकर बोआई के तुरंत बाद छिड़कना चाहिए। इससे नियंत्रण नहीं होने से इमाजेथापायर 400 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से 20 दिनों के बाद छिड़काव करना चाहिए।

उड़द और मूंग के साथ मिश्रित खेती

उड़द और मूंग फसल एक साथ अन्य दलहनी व खाद्यान्न फसलों के साथ मिश्रित या मिलवा खेती की जा सकती है। उड़द और मूंग को मक्का तथा अरहर के साथ अंतः फसली के रूप में लिया जाता है।

कीट प्रबंधन

भूआ पिल्लू- यह कीट सड़ी पत्तियों को खासकर नुकसान पहुंचाता है। इसे खत्म करने प्रारंभिक अवस्था में कीट ग्रसित पौधों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें या डायक्लोरफॉस 0। 5.1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के घोल बनाकर छिड़काव करें। घोल में टिपाल या साबुन का घोल मिलाना लाभप्रद होता है।

रस चूसक कीट- इस वर्ग में सफेद मक्खी, थ्रीपस तथा माहू कीट आते हैं। ये कीट पौधों की कोमल टहनियों, पत्तियों एवं फूलों से रस चूसते हैं, जिससे पौधे कमजोर होकर सूखने लगते हैं। सफेद मक्खी से बचाव के लिए रोग ग्रसित पौधे खेत में दिखते ही उखाड़ कर नष्ट कर दें तथा फसल पर 15 दिन के अंतराल पर आक्सीमिथाइलडेमेटान दवा एक मिली प्रति घोल छिड़काव करना लाभप्रद रहता है।

रोग प्रबंधन

पीला मोजौक रोग- यह एक विषाणु रोग है रोग से ग्रसित पौधे की कोमल पत्तियों पर पीले रंग के चितकबरे धब्बे हो जाते हैं और अंत में सारी पत्तियां पीली हो जाती है। खड़ी फसल में लक्षण दिखने पर ग्रसित पौधे को नष्ट कर देना चाहिए।

पत्ती का चीत्ती रोग- इस रोग से ग्रसित पौधे की कोमल पत्तियों पर छोटे-छोटे गोल या कत्थई रंग के धब्बे बनते हैं। धब्बों का मध्य भाग भूरा या धूसर रंग का हो जाता है। बाद में धब्बे आपस में मिलकर अनियमित आकार के बड़े.बड़े धब्बे बना लेते हैं। परिणामस्वरूप पत्तियां झुलस का गिर जाती हैं। ये धब्बे शाखाओं व फलियों पर दिखायी पड़ते हैं। लक्षण दिखायी पड़ने पर इंडोफिल एम 45 नामक दवा का 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव कर दें। आवश्यकता पड़ने पर 10 से 12 दिनों के अंतराल दूसरा छिड़काव करें।

फसल की कटनी तथा दौनी- जब फलियों के रंग भूरे होने लगे तब उसे तोड़ लेना चाहिए फसल को तीन से चार दिनों तक धूप में अच्छी तरह सूखाएं, ताकि बीज की नमी प्रतिशत से कम हो जाए तथा साफ कर भंडारण करना चाहिए।

उपज क्षमता- गरमा मूंग के लिए उपज क्षमता 15 क्विंटल प्रति हेक्टेयर एवं खरीफ उड़द के लिए उपज क्षमता 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश

गाजियाबाद में पत्रकार को बदमाशों ने मारी गोली, प्रियंका ने कहा- 'जंगलराज' में कोई कैसे सुरक्षित महसू

गाजियाबाद। यूपी में बेखौफ बदमाशों सारा पत्रकार विक्रम जोशी को गोली मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस मामले को लेकर कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने योगी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि भांजी के साथ छेड़छाड़ की तहरीर पुलिस को देने पर बदमाशों ने पत्रकार को गोली मार दी। इस जंगलराज में कोई भी आमजन खुद को कैसे सुरक्षित महसूस करेगा? प्रियंका ने ट्वीट कर कहा, 'गाजियाबाद एनसीआर में है। यहां कानून व्यवस्था का ये आलम है तो आप पूरे यूपी में कानून व्यवस्था के हाल का अंदाजा लगा लीजिए। एक पत्रकार को इसलिए गोली मार दी गई क्योंकि उन्होंने भांजी के साथ छेड़छाड़ की तहरीर पुलिस में दी। इस जंगलराज में कोई भी आमजन खुद को कैसे सुरक्षित महसूस करेगा?' गाजियाबाद के विजयनगर इलाके में कुछ अज्ञात बदमाशों ने पत्रकार विक्रम जोशी पर सोमवार शाम हमला किया था। विक्रम जोशी अपनी दो बेटियों के साथ मोटरसाइकिल से जा रहे थे। तभी बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और गोली मारी। इस मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले भी विक्रम जोशी ने थाना विजय नगर में एक तहरीर दी थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि कुछ लड़के उनकी भांजी के साथ छेड़खानी करते हैं। इसका उन्होंने विरोध भी किया था, जिसका नतीजा सोमवार शाम को जब विक्रम जोशी कहीं जा रहे थे, तभी इन बदमाशों ने आकर उन पर हमला कर दिया और गोली मार दी।

वारदात पर एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि विजय नगर में एक पत्रकार पर हमला हुआ और उनको गोली मारी गई। इसके बाद उन्हें गाजियाबाद के यशोदा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली में कोरोना से एक और डॉक्टर की मौत, अब तक करीब 100 से ज्यादा कोरोना वॉरियर्स हारे जंग

नेशनल डेस्क । दिल्ली सरकार के नेशनल हेल्थ मिशन के साथ काम कर रहे एक 42 वर्षीय कॉन्ट्रैक्टर डॉक्टर की सोमवार को कोरोना वायरस से मौत हो गई। बता दें कि देशभर में कोरोना के खिलाफ जंग लड़ रहे अब तक 100 से ज्यादा डॉक्टरों की मौत हो चुकी है। डॉ जावेद अली मार्च से कोरोना के खिलाफ फ्रंटलाइन में लड़ाई लड़ रहे थे और मरीजों की सेवा में जुटे हुए थे। 24 जून को उनका कोरोना टेस्ट हुआ तो वे पॉजिटिव पाए गए। उनको इलाज के लिए ढ्ढक्रस्स में भर्ती कराया गया था जहां उन्होने अंतिम सांस ली। पिछले 10 दिनों से तबीयत ज्यादा खराब होने पर उनको वेंटिलेटर पर रखा गया था। डॉ. जावेद अली मार्च से लेकर जून तक दक्षिणी दिल्ली के छत्तरपुर के क्वारंटीन सेंटर, राधा स्वामी ष्टश1द्वस्र ष्टड्ढद्ध सेंटर और दिल्ली के पुष्प विहार सीरो सर्विलांस सेंटर पर ड्यूटी की थी। इसी दौरान जून में वह कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। 26 जून को उन्होंने सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की थी। इसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां हालत बिगड़ने पर उन्हें लोकनायक अस्पताल और फिर एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करना पड़ा। वायरस से तीन हफ्ते तक जूझने के बाद डॉ. अली ने सोमवार सुबह एम्स ट्रामा सेंटर में दम तोड़ दिया। डॉ. अली अपने पीछे पत्नी डॉ. हिना और दो बच्चों को छोड़ गए हैं। पत्नी डॉ. हीना ने बताया कि डॉ जावेद एक समर्पित डॉक्टर थे और उन्होंने मार्च से कोई छुट्टी नहीं ली थी। डॉ. हिना ने कहा कि मुझे और मेरे बच्चों को उन्हें आखिरी बार देखने भी नहीं दिया गया। उत्तर प्रदेश के चंदौसी के रहने वाले डॉ. जावेद अली ने रूस की स्टेट मेडिकल एकेडमी से की पढ़ाई की थी। डॉ. अली ने साल 2011 में नेशनल हेल्थ मिशन में नौकरी शुरू की थी और कोरोना संक्रमण फैलने से पहले वह दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार में स्थित डिस्पेंसरी में तैनात थे।

कोरोना ने तबाह किया परिवार, मां की अर्थी उठाने वाले 5 बेटों की मौत...छठे बेटे की हालत भी नाजुक

नेशनल डेस्क । कोरोना ने भारत समेत पूरी दुनिया में कोहराम मचा रखा है। इस महामारी ने अब तक कई लोगों की जिदंगी ली है। झारखंड में तो कोरोना ने एक हंसते-खेलते पूरे परिवार को तबाह कर दिया। कोरोना की वजह से एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। यह देश का पहला ऐसा इकलौता मनहूस मामला है कि कोरोना से पूरा परिवार खत्म हो गया। इस परिवार में सबसे पहले मां की कोरोना से मौत हुई फिर उनकी अर्थी को कंधा देने वाले पांच बेटों की एक-एक करके मौत हो गई। कोरोना से 15 दिनों में ही परिवार में छह लोगों की जान चली गई। वहीं अब मृतक महिला के छठें बेटे के अलावा परिवार के अन्य कई सदस्यों की भी तबीयत खराब बताई जा रही है। धनबाद के कतरास इलाके के रानी बाजार में रहने वाले एक परिवार के छठें सदस्य की सोमवार को कोरोना से मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार 4 जुलाई को सबसे पहले 88 साल की मां का निधन बोकारो के एक नर्सिंग होम में हुआ था। शव की जांच से पता चला कि वह कोरोना पॉजिटिव थी। उसके बाद उनके एक बेटे की मौत रांची के रिम्स कोविड अस्पताल में हुई। कुछ दिन बाद दूसरे बेटे की मौत केंद्रीय अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। कोरोना का कहर यहीं हीं रुका।

कोरोनाकाल में चमकी मजदूर की किस्मत, हीरा मिलने से रातों-रात बन गया लखपति

पन्ना। वैश्विक महामारी कोरोनावायरस की वजह से जहां हर कोई आर्थिकी तंगी के दौर से गुजर रहा है, वहीं पन्ना जिले के एक मजदूर को उथली हीरा खदान से 10.69 कैरेट का हीरा मिला है जिसकी अनुमानित कीमत 50 लाख से अधिक की बताई जा रहा है। दरअसल पन्ना का एक मामूली मजदूर रानीपुर स्थित खदान में पिछले 6 माह से हीरा खोज रहा था जिसे कामयाबी मिली और उसे बड़ा हीरा मिला। इसके बाद मजदूर की खुशी का ठिकाना नहीं है। कहते है कि भगवान जुगल किशोर की नगरी में कब किसकी किस्मत चमक जाए इसका अंदाजा लगाना मुमकिन नहीं होता है जिसके कई जीते जागते उदाहरण भी है और आज फिर एक मजदूर अनंदी लाल कुशवाहा को भी पन्ना की धरा ने रंक से राजा बना दिया और बेशकीमती उज्ज्वल जैम क्वालिटी का हीरा मिला है। जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख ज्यादा बताई जा रही है। पन्ना के सरकोहा स्थित रानीपुर की उथली हीरा खदान से मजदूर को यह बड़ा हीरा मिला है जिसको मजदूर व उसके साथियों ने हीरा कार्यालय में जमा कर दिया है। पन्ना के डायमंड कार्यालय में आज सुबह से ही भीड़ देखने को मिल रही है। इस दौरान मजदूर ने कहा कि साथियों के साथ हीरा खोज रहे थे। धरती माता का आशीर्वाद मिल गया। इससे पूर्व में भी मजदूर को इसी खदान से 70 सेंट का हीरा मिल चुका है।

सीरो सर्वे से हुआ खुलासा, दिल्ली की करीब एक-चौथाई आबादी में मिले कोरोना -19 एंटीबॉडीज

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस का संकट अब लगभग काबू में आता हुआ दिख रहा है वहीं कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार का पता लगाने के लिए राजधानी दिल्ली में किए गए सीरो सर्वे से पता चला है कि दिल्ली में औसतन 23.48 प्रतिशत लोगों में ढ्ढद्दत्र एंटीबॉडी मौजूद है। इस रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में कोरोना की एंटीबॉडी 23.48 फीसदी लोगों में मिली है। इसके साथ ही ये भी पता चला है कि दिल्ली में कई ऐसे मरीज हैं जिनमें कोरोना के लक्षण दिखाई ही नहीं दिए। वहीं सरकार द्वारा लिए गए लॉकडाउन और कोरोना गाइडलाइन्स के फैसलों को भी सही बताया गया है। दिल्ली में 22,800 लोगों का ब्लड सैंपल लिया गया और उसकी जांच की गई। 15 अलग-अलग लैब्स में सैंपल की जांच के बाद लिंग, उम्र और जिले के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है। जिसे स्वास्थ्य मंत्रालय और आईसीएमआर को भेज गया। रिपोर्ट की समीक्षा एक्सपर्ट द्वारा कराए जाने के बाद इसके परिणाम सामने आए हैं। 27 जून से 10 जुलाई तक चले सीरो सर्वे में 21,387 सैम्पल लिए गए थे, जिनके अध्ययन से पता चला कि ज्यादातर लोगों में कोरोना के लक्षण नहीं थे। विशेषज्ञों के मुताबिक सीरो सर्वे सुझा रहा है कि अगर दिल्ली की आबादी 2 करोड़ है, तो यहां करीब 47 लाख लोग कोरोना वायरस के संपर्क में आए हुए हो सकते हैं, लेकिन इनमें से ज्यादातर लोगों में इसके संक्रमण के लक्षण नहीं दिखे। इस रिपोर्ट का यह अर्थ है कि दिल्ली की करीब एक-चौथाई आबादी में एंटीबॉडीज है साथ ही दिल्ली में जितने भी केस सामने आए है।

उनमें अधिकतर बिना किसी लक्षण वाले थे। दिल्ली में कोरोना केस लगातार कम हो रहे हैं। पॉजिटिव रेट से लेकर डेथ रेट तक में लगातार कमी आ रही है। रिकवरी रेट बेहतर होने की वजह से कोविड अस्पतालों में बेड खाली हो रहे हैं। जून महीने में 100 लोगों की कोविड जांच होने पर 32 कोविड पॉजिटिव पाए जाते थे।

हरिद्वार: हरकी पौड़ी पर आकाशीय बिजली का कहर

हरिद्वार। उत्तराखंड की धर्मनगरी हरिद्वार में सोमवार रात भारी बारिश के साथ आकाशीय बिजली ने इस कदर अपना रौद्र रूप दिखाया कि चारों तरफ तबाही मच गई। हरकी पौड़ी पर आकाशीय बिजली गिरने से भारी नुकसान हो गया। इन तस्वीरों में बर्बादी के मंजर का अंदाजा लगाया जा सकता है। हरिद्वार में सोमवार रात भारी बारिश के साथ आकाशीय बिजली का कहर देखने को मिला। इसके कारण हर की पौड़ी पर ब्रह्मकुंड के पास ट्रांसफार्मर सहित दीवार ध्वस्त हो गई। इस घटना के बाद आसपास के क्षेत्र की बिजली बाधित हो गई। वहीं घटना का सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थितियों का जायजा लिया। हालांकि घटना के समय आसपास किसी के न होने के कारण किसी की जान को कोई नुकसान नहीं हुआ है। बता दें कि उत्तराखंड में भारी बारिश ने कई जिलों में तबाही मचाई हुई है। बारिश के साथ-साथ आकाशीय बिजली गिरने से जान-माल का भारी नुकसान हो रहा है। लगातार हो रहा भारी बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर भी बढ़ने लगा है।

दिल्ली में अब घर-घर तक पहुंचेगा राशन, केजरीवाल बोले- मेरा सपना हुआ पूरा

नेशनल डेस्क। देश में जारी कोरोना के संकट के बीच दिल्ली सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री घर घर राशन योजना पारित कर दिया गया है, जिसके तहत दिल्ली में घर-घर जाकर राशन पहुंचाया जाएगा। केजरीवाल ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि आज कैबिनेट ने मुख्यमंत्री घर घर राशन योजना÷ पारित की। इसके लागू होने पर लोगों के घर राशन भिजवाया जाएगा, उन्हें राशन की दुकान पर नहीं आना पड़ेगा। ये बहुत ही क्रांतिकारी कदम है। वर्षों से हमारा सपना था कि गरीब को इज्ज़त से राशन मिले, आज वो सपना पूरा हुआ। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज दिल्ली सरकार द्वारा श्रद्ध योजना को मंजूरी दे दी गई है। मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना के तहत अब लोगों को राशन की दुकान पर नहीं आना होगा। सरकार गरीब लोगों के घर तक राशन पहुंचाएगी। उन्होंने बताया कि जिस दिन दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना शुरू होगी, उसी दिन दिल्ली में केंद्र सरकार की योजना को लागू कर दिया जाएगा।

बीजेपी का राहुल गांधी पर पलटवार, मार्च से जुलाई तक की उपलब्धियां गिनाते हुए कसा तंज

नई दिल्ली। राजस्थान के सियासी उठापटक के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को ट्वीट करके कोरोना काल में मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। वहीं अब केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने उनपर पलटवार किया है। जावड़ेकर ने ट्वीट में लिखा, राहुल गांधी की 6 महीने में कामयाबी देखिए। फरवरी में शाहीन बाग दंगा। मार्च में हारे मध्य प्रदेश और ज्योतिरादित्य सिंधिया हारें, अप्रैल में प्रवासी मजदूरों को भड़काया, मई में 6वीं वर्षगांठ पर कांग्रेस की एतिहासिक हार, जून- चीन का बचाव करना, जुलाई- राजस्थान में कांग्रेस पतन के कगार पर। केवल इतना ही नहीं केंद्रीय मंत्री ने आगे लिखा कि राहुल बाबा आप भारत की उपलब्धियां भी लिख लें। इनमें कोरोना के खिलाफ जंग जारी है, औसत केस के मुकाबले में देश की स्थिति बेहतर है, सक्रिय मामले और मौत के आंकड़े में अमेरिका के मुकाबले भारत की स्थिति बेहतर है। आपने मोमबत्तियां जलाने का मजाक उड़ाकर देश की जनता और कोरोना योद्धाओं का मजाक उड़ाया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना वायरस संकर्मण के मामलों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर मंगलवार को सरकार पर निशाना साधा और कटाक्ष करते हुए कहा कि 'नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम, राजस्थान में सरकार गिराने की कोशिश तथा कई अन्य कदमों से आज देश कोरोना के खिलाफ लड़ाई में 'आत्मनिर्भर हो गया है। उन्होंने ट्वीट किया, ''कोरोना काल में सरकार की उपलब्धियां- फरवरी में नमस्ते ट्रंप, मार्च में मध्य प्रदेश में सरकार गिराई।

अप्रैल में मोमबत्ती जलवाई, मई में सरकार की 6वीं सालगिरह, जून में बिहार में वर्चुअल रैली और जुलाई में राजस्थान सरकार गिराने की कोशिश। कांग्रेस नेता ने तंज कसते हुए कहा, ''इसीलिए देश कोरोना की लड़ाई में आत्मनिर्भर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, मंगलवार को कोविड-19 के 37,148 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 11,55,191 हो गए। वहीं 587 और लोगों की जान जाने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 28,084 हो गई।

दिल्ली में भारी बारिश को लेकर अलर्ट, मुंबई में भी हाई टाइड की चेतावनी

नेशनल डेस्क। मौसम विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी में कुछ स्थानों पर अगले दो दिन में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है वहीं मुंबई में भी तेज बारिश की चेतावनी दी गई है। विभाग ने बताया कि मुंबई में दोपहर पौने 1 बजे से 4.5 मीटर ऊंची हाई टाइड उठ सकती है। मौमस विभाग के मुताबिक दिल्ली के शेष इलाकों तथा इर्द-गिर्द के क्षेत्रों में मध्यम बारिश का अनुमान है। विभाग ने दिल्ली में मंगलवार को आरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक दिल्ली इस दौरान 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और मध्यम से तेज बारिश के आसार भी बने हुए है। मौसम के पूर्वानुमान में कहा गया, ''दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश में अगले दो दिन में बारिश हो सकती है तथा कुछ-कुछ स्थानों पर भारी और बहुत भारी बारिश भी हो सकती है। इसके बाद बारिश में कमी आएगी। मौसम विज्ञानियों ने कहा कि उत्तर पश्चिमी भारत पर अगले दो से तीन दिन में बंगाल की खाड़ी से आने वाली आर्द्र पूर्वी हवाओं और अरब सागर से आने वाली दक्षिण-पश्चिमी हवाओं का मेल होता रहेगा। इस बीच यहां मानसून भी आया हुआ है। अरब सागर से आने वाली दक्षिण-पश्चिमी हवाओं का मेल होता रहेगा। इस बीच यहां मानसून भी आया हुआ है। अरब सागर से आने वाली दक्षिण-पश्चिमी हवाओं का मेल होता रहेगा। इस बीच यहां मानसून भी आया हुआ है। इन दो कारकों से अगले 24 घंटे में में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने सोमवार रात तक मध्यम बारिश होने और 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान जताया है। सोमवार को दिन में राष्ट्रीय राजधानी में छिटपुट बारिश होती रही। सफदरजंग वेधशाला में अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 32.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को दिल्ली में मानसून की पहली मूसलाधार बारिश में चार लोगों की मौत हो गई थी।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना काल के साइड इफेक्टस, उच्चतम न्यायालय के जज खुद टाइप कर रहे हैं आदेश

नई दिल्ली। कोरोना काल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर होने की अपील पर देश में कितना अमल होगा यह तो समय बतायेगा, लेकिन उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश मजबूरी में ही सही, लेकिन आत्मनिर्भर होने लगे हैं। कोरोना महामारी के दौरान उच्चतम न्यायालय में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हो रही सुनवाई के कारण न्यायाधीश कोर्ट मास्टर को आदेश लिखवाने के बजाय खुद ही अपना आदेश टाइप करने लगे हैं, जिसका फायदा उन्हें खुद नजर आने लगा है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की टिप्पणी से तो कम से कम ऐसा ही लगता है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने मंगलवार को एक मामले की वीडियो कांफ्रेंसिंग से सुनवाई के दौरान अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि वह वर्चुअल सुनवाई करते हुए जो भी आदेश देते हैं, उसे खुद ही लैपटॉप पर टाइप भी करते हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, मैं कोर्ट मास्टर को आदेश देने के बजाय अब खुद लैपटॉप पर आदेश लिखता हूं, क्योंकि यह डिक्टेशन देने के मुकाबले ज्यादा आसान, सरल और सहज होता है। लैपटॉप पर अपना खुद का आदेश टाइप करना बहुत अच्छा है, क्योंकि यह आदेश बहुत सटीक हो जाता है। उन्होंने कहा कि इसका एक फायदा और है कि आदेश टाइप करने के बाद टाइपिंग के कारण होने वाली अशुद्धि को ठीक करने की जरूरत नहीं पड़ती। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय में मार्च के मध्य से ही कोरोना को लेकर ऐहतियात बरती जाने लगी थी और कुछ दिनों तक तो केवल दोनों पक्षों और उनके वकीलों को ही अदालत कक्ष में सुनवाई के लिए जाने दिया जाता था। मीडियाकर्मियों का प्रवेश भी वर्जित था। बाद में राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान वीडियो कांफ्रेंसिंग से सुनवाई शुरू होने लगी, जो अब भी जारी है। ऐसे में कोर्ट मास्टर मौजूद नहीं रह पाते हैं।

राजीव गांधी हत्याकांड की दोषी नलिनी ने जेल में की खुदकुशी की कोशिश

नेशनल डेस्क। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी हत्याकांड की दोषी नलिनी ने सोमवार रात जेल में खुदकुशी करने की कोशिश की। नलिनी वेल्लोर जेल में बंद है, यही पर उसने सुसाइड का प्रयास किया। नलिनी के वकील पुगलेंती ने इसकी जानकारी दी। नलिनी के वकील पुगलेंती ने बताया कि पिछले 29 साल से जेल में बंद नलिनी के साथ ऐसा पहली बार हुआ जब उसने खुदकुशी की कोशिश की। वकील ने बताया कि जेल में नलिनी और एक कैदी के बीच कथित तौर पर झगड़ा हुआ था। जिस कैदी से नलिनी का झगड़ा हुआ वो भी उम्र कैद की सजा में बंद है। झगड़े को लेकर कैदी ने जेलर से शिकायत की जिसके बाद नलिनी ने खुदकुशी की कोशिश की। पुगलेंती ने बताया कि नलिनी का पति मुरुगन भी राजीव गांधी हत्याकांड में जेल में बंद है। मुरुगन ने रिक्वेस्ट की है कि नलिनी को वेल्लोर जेल से पुझल जेल में शिफ्ट कर दिया जाए।

पैसे नहीं देने पर बेटे ने मां को चाकू से 15 वार कर उतारा मौत के घाट, खून से धोता रहा चेहरा

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में मदनगीर में हैरान कर देने वाला मामला देखने को मिला जहां ड्रग्स के लिए पैसे नहीं देने पर एक युवक ने अपनी मां को 15 बार चाकू से वार कर मौत के घाट उतार दिया। पड़ोसियों के मुताबिक लड़का मां के शरीर से जो खून निकल रहा था, उससे अपने चेहरे को धो रहा था। अपने पूरे शरीर पर खून का लेप लगा रहा था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने अनुसार युवक की पहचान सागर (22) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि मदनगीर सेंट्रल मार्केट से पीसीआर को जानकारी मिली थी कि एक शख्स ने अपनी मां को चाकू मारकर घायल कर दिया। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो वहां 45 साल की एक महिला बेहोशी की हालत में मिली। पुलिस ने महिला को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी मौत हो गई है। सागर को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। उन्होंने बताया कि सागर शराब और अन्य नशीले पदार्थों का आदी था।

दुनिया को कोरोना मुक्त बनाने की कोशिश में भारत भी दे रहा ऑक्सफोर्ड का साथ

नेशनल डेस्क। जानलेवा महामारी कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर कोशिशें जारी हैं। इस महामारी को रोकने के लिए वैज्ञानिक दिन रात एक कर टीका बनाने में जुटे हुए हैं, जिसमें कुछ हद तक ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय कामयाब होता दिखाई दे रहा है। खबरें तो यह भी है कि कोरोना वैक्सीन का ट्रायल भारत में भी हो सकता है, अगर ऐसा हुआ तो देश को इस महामारी से जल्द से जल्द छुटकारा मिल सकता है। दरअसल ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की तरफ से विकसित की जा रही कोरोना वैक्सीन के सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहे हैं, जो सुरक्षित है और इम्यून सिस्टम की प्रतिक्रिया को बढ़ाता है। इस वैक्सीन को विकसित करने में सीरम इंस्टिट्यू ऑफ इंडिया भी ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय का साथ दे रही है। अब कंपनी इस वैक्सीन का ट्रायल भारत में भी करना चाहती है, जिसके लिए लाइसेंस का इंतजार किया जा रहा है। सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया दुनिया की सबसे बड़ी टीका निर्माता कंपनी है। यह अब हर साल 1.5 अरब वैक्सीन डोज तैयार करती है जिनमें पोलियो से लेकर मीजल्स तक के टीके शामिल हैं। ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्राजेनेका ने इसी कंपनी को अपनी कोविड-19 वैक्सीन बनाने के लिए चुना है। कंपनी के सीईओ ने भी दावा किया है कि तीन महीने के भीतर लाखों की संख्या में वैक्सीन की डोज तैयार कर ली जाएगी। उन्होंने बताया था कि हम एक अच्छे व सुरक्षित वैक्सीन लाने की ओर अग्रसर हैं। बता दें कि वैज्ञानिकों ने हाल ही में दावा किया कि ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कोरोना वायरस टीका सुरक्षित है और शरीर के भीतर एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को उत्पन्न करता है। परिणाम बताते हैं कि जिनको टीके लगाए गए, उनमें 56 दिनों तक मजबूत एंटीबॉडी और टी-सेल प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाएं उत्पन्न हुईं। सालों तक वायरस से सुरक्षित रखने के लिए टी-सेल महत्वपूर्ण हैं। निष्कर्षों को आशाजनक माना जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाइडेन ने अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर किया आगाह

वाशिंगटन।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के संभावित उम्मीदवार जो बाइडेन ने आगाह किया है कि अमेरिका में नवम्बर में होने वाले चुनाव में रूस, चीन, ईरान और अन्य विदेशी ताकतें हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रही हैं और उन्हें रोकने का सबसे सही तरीका तत्काल उनका पर्दाफाश करना है। बाइडेन ने चंदा एकत्र करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''हमने 2016 में (चुनाव में) देखा, हमने 2018 में दखा और हम अब भी देख रहे हैं। रूस, चीन, ईरान और अन्य विदेशी ताकतें हमारे लोकतंत्र में हस्तक्षेप करने और हमारी चुनावी प्रक्रिया में हमारे विश्वास को कम करने के लिए काम कर रही हैं।''उन्होंने कहा, ''इन देशों को हस्तक्षेप करने से रोकने का सबसे सही तरीका तत्काल उनका पर्दाफाश करना है। यह मुश्किल होगा। मैं अभी इस बारे कुछ ज्यादा नहीं कर सकता, केवल इस पर बात कर इसका पर्दाफाश कर सकता हूं, लेकिन यह एक गंभीर समस्या है।

यह सही मायने में हमारी संप्रभुता का उल्लंघन है।''अमेरिका में तीन नवम्बर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है, जिसमें उनका मुकाबला देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से होगा। बाइडेन ने कहा, ''एक राष्ट्रपति के तौर पर मैं हमारे चुनाव में हस्तक्षेप को अमेरिका के खिलाफ अक्रामकता के तौर पर देखूंगा और ऐसा करने वाले को इसके नतीजे भी भुगतने होंगे।''

बाइडेन पहले भी कह चुके हैं कि ट्रम्प प्रशासन चुनाव में विदेशी ताकतों के हस्तक्षेप का रोकने में नाकाम रहा है।

चीन के कारण दुनिया में कोरोना वायरस फैला, संक्रमण रोकने के लिए उसने नहीं उठाए कदम : ट्रंप

वाशिंगटन।

कोविड-19 को लेकर चीन पर पारदर्शिता नहीं बरतने का आरोप लगाते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चीन चाहता तो संक्रमण को दुनिया में फैलने से रोक सकता था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया । कोविड-19 महामारी से निपटने में चीन के रवैये पर ट्रंप पहले भी निराशा जता चुके हैं । मई में उन्होंने दावा किया था कि यह चीन की 'अक्षमता' है जिसकी वजह से दुनिया में इतने लोगों की जान जा रही है । चीन के वुहान शहर से कोरोना वायरस की शुरुआत के बाद से दुनिया भर में छह लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। अमेरिका में संक्रमण से 1,43,000 लोगों की मौत हुई है । अमेरिका में 40 लाख लोगों समेत दुनिया में 1.4 करोड़ से ज्यादा लोग कोविड-19 से संक्रमित हुए हैं । व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में ट्रंप ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा, ''यह चीन से शुरू हुआ। इसे फैलने नहीं देना चाहिए था। वे इसे रोक सकते थे। वे आसानी से इसे रोक सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया ।'' ट्रंप ने कहा, ''हमें आगे इस पर रिपोर्ट मिली। लेकिन यह चीन से ही आया। चीन चाहता तो इसे रोक सकता था, लेकिन बाकी दुनिया में फैलने से पहले इसे नहीं रोका गया। उसने यूरोप, अमेरिका जाने पर रोक नहीं लगाया। '' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''उन्हें इसे रोकना चाहिए था। उन्होंने पारदर्शिता नहीं दिखायी । उन्होंने ठीक इसके विपरीत रूख अपनाए रखा। यह ठीक नहीं है। '' ट्रंप ने महामारी की स्थिति पर सोमवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सिसी से बात की । उन्होंने कहा, ''हम सब एक साथ हैं। पिछले कुछ दिनों में दुनिया के कई नेताओं के साथ मैंने बात की है।

यह ऐसी महामारी है जो हर जगह फैल रही है। कुछ देशों को लगा कि वे अच्छी स्थिति में हैं और अचानक से मामले बढ़ गए।'' ट्रंप ने कहा कि कोरोना वायरस एक वैश्विक समस्या है और अमेरिका वेंटिलेटर देकर दूसरे देशों की मदद कर रहा है । ट्रंप ने कहा, ''हम कई देशों की मदद कर रहे हैं ।

अनुसंधान केंद्र की प्रमुख का दावा: कोरोना वैक्सीन से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ी

मास्को।

रूस की सिचेनोव यूनिवर्सिटी में दवाओं के लिए नैदानिक अनुसंधान केंद्र की प्रमुख एलिना स्मोलार्चुक ने कहा है कि जिन लोगों पर कोरोना वायरस वैक्सीन का परीक्षण किया गया है, उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ी है। सुश्री समोलार्चुक ने कहा, जिन लोगों पर इसका परीक्षण किया गया, उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ी है। वैक्सीन का व्यक्तिगत असर होता है और आमतौर पर इसमें कई दिन लगते हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिरक्षा सुरक्षा के अधिकतम स्तर का पता वैक्सीन का इस्तेमाल करने के तीन सप्ताह बाद चलता है। उन्होंने कहा, यदि टीका की प्रभावशीलता साबित हो जाती है, तो इसे पंजीकृत किया जाएगा और इसके बाद बड़े पैमाने पर शोध कार्य शुरू होगा, जिनमें बड़ी संख्या में ऐसे लोग शामिल होंगे जिन्हें टीका लगाया जाएगा और यह समझने की कोशिश की जाएगी कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को कब तक संरक्षित किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि रूस में कोरोना वैक्सीन का मानवों पर परीक्षण की प्रक्रिया का दूसरा चरण सोमवार को शुरू हुआ। इसके पहले चरण में जिन लोगों पर इसका परीक्षण किया था, उन्हें 15 जुलाई को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

ब्राजील के शिक्षा मंत्री और नागरिकता मंत्री भी कोरोना पॉजिटिव

ब्राजीलिया।

ब्राजील के शिक्षा मंत्री मिल्टन रिबेरो तथा नागरिता मंत्री ओनिक्स लोरोंजोनी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इन दोनों मंत्रियों ने सोमवार को बताया कि वे लोग जांच में कोविड-19 से संक्रमित पाये गये हैं। इन दोनों मंत्रियों ने तत्काल उपचार शुरू करवा दिया है और ये लोगों घर से काम करते रहेंगे। श्री ओनिक्स ने ट्वीट कर कहा कि उन्हें पहली बार गुरुवार को कोरोना के लक्षण नजर आए थे और शुक्रवार से इसका उपचार शुरू करवा दिया था। इसी दिन मैंने जांच करवाई। उन्होंने कहा, मुझे इसके सकारात्मक प्रभाव महसूस हुए हैं। ब्राजील में अभी तक चार मंत्री इस संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। कोविड-19 से संक्रमित होने वाले मंत्रियों खदान एवं ऊर्जा मंत्री बेंटो अल्बुकर्क और संस्थागत सुरक्षा मंत्री, जनरल अगस्तो हेलनो शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

चीन में यांग्त्सी नदी फिर उफान पर, बाढ़ का खतरा

बीजिंग। चीन में मूसलाधार बारिश के कारण यांग्त्सी नदी एक बार फिर उफान पर आ गई है, जिससे फिर बाढ़ आने का खतरा उत्पन्न हो गया है। पिछले महीने से बाढ़ से मची तबाही के कारण पहले ही 140 लोग मारे गए हैं या लापता हैं। बारिश के कारण विशाल 'श्री गॉर्जस डैम पर दबाव बन रहा है। आधिकारिक प्रेस एजेंसी 'शिन्हुआ ने बताया कि बांध के पीछे के जलाशय में प्रवाह की दर शुक्रवार रात 55,000 क्यूबिक मीटर (लगभग 600,000 घन फुट) प्रति सेकंड दर्ज की गई थी। शनिवार को बढ़कर 61,000 घन मीटर हो गई थी, जो रविवार रात कम होकर 46,000 घन मीटर हो गई। चीन के 24 प्रांतों से बाढ़ के कारण इस महीने करीब 18 लाख लोगों को निकाला गया है। चीन मे सबसे भयानक बाढ़ 1998 में आई थी, जिसमें 2,000 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और करीब 30 लाख लोग बेघर हो गए थे।

कोरोना की झकझोरने वाली तस्वीर- मां को देख सके, इसलिए रोज चढ़ता था अस्पताल की खिड़की

इंटरनेशनल डेस्क। कोरोना वायरस ने लोगों के बीच दूरियां पैदा कर दी है। दरअसल कोरोना से बचने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग जरूरी है। जिन लोगों के अपने कोरोना से जंग लड़ रहे हैं वो सोशल डिस्टेंसिंग का मतलब जानते हैं क्योंकि अपनों की सेफ्टी से बड़ी कोई बात नहीं होती। सोशल मीडिया पर एक ऐसी ही तस्वीर वायरल हो रही है जिसको देख लोगों की आंखें नम हो रही हैं। एक बेटा अपनी मां को देखने के लिए रोज अस्पताल की खिड़की चढ़ता है और वहां काफी देर तक बैठा रहता है। इस फोटो को नाम के यूजर ने ट्विटर पर शेयर किया है। उसने इस फोटो के साथ कैप्शन दी, 'कोविड 19 से संक्रमित एक फिलिस्तीनी महिला अस्पताल में भर्ती थी, जिन्हें देखने की खातिर उनका बेटा हर रात उनके कमरे (अस्पताल) की खिड़की पर चढ़कर बैठता था।' इस फोटो को लोग काफी शेयर कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि फिलिस्तीन के बिएट अवा के रहने वाले जिहाद अल-सुवाती की 73 वर्षीय मां कोरोना पॉजिटिव थीं और वह हेब्रन स्टेट हॉस्पिटल के आईसीयू वॉर्ड में भर्ती थी। मां से मुलाकात का जिहाद के पास कोई जरिया नहीं था। ऐसे में वो रोज रात अस्पताल की इमारत पर चढ़कर मां के कमरे की खिड़की से उन्हें देखता था। जिहाद की मां कोरोना पॉजिटिव होने के साथ ही ल्यूकेमिया से भी पीड़ित थी। अस्पताल में वह पांच दिन तक भर्ती रहीं लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका और बीते गुरुवार को उनकी मौत हो गई। जिहाद अपनी मां के काफी करीबी था और आखिरी पलों में उनके साथ न होने का उसे काफी मलाल था इसलिए वह रोज रात को आईसीयू की दीवार पर चढ़ता और खिड़की पर बैठकर मां को काफी देर तक निहारता रहता। जिहाद ने 15 दिन पहले अपने पिता को खोया था।

ब्रिटेन में बलूच पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन

लंदन। ब्रिटेन में बलूचिस्तान पीड़ितों को न्याय की मांग को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शनों का जोर बढ़ता जा रहा है। पाक के बलूचिस्तान प्रांत में पाक सेना और डैथ स्क्वाड के हाथों बलूच महिलाओं की हत्या के खिलाफ ब्रम्ह एकजुटता समिति ने लंदन में रविवार को व्यापक विरोध प्रदर्शन किया। इश दौरान प्रदर्शनकारी बलूचिस्तान में लगातार बढ़ रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन और हरनाई घटना के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की सेना ने बलूच में 9 साल की बच्ची नाज़ बीबी सहित क़ैसर चलगर्री के परिवार को मार डाला। बलूच नेशनल मूवमेंट यूके ज़ोन के अध्यक्ष हकीम बलूच ने कहा, ब्रिटेन का बलूच समुदाय पाकिस्तान सेना की बलूचों पर की जा रही क्रूर कार्रवाई का विरोध करता है। बलूचिस्तान के अब्दुल्ला बलूच नेता राजी जुम्बेश ने कहा, पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में कहर और आतंक पैदा करने के लिए अपने डैथ स्क्वाड को उतारा है। वे निर्दोष बलूच महिलाओं की हत्या करके और घरों पर हमला करके पूरे बलूच समुदाय को डराना चाहते हैं ताकि लोग असुरक्षित महसूस करें।

मुस्लिम औरतों को जबरन बांझ बना रहा चीन, निगरानी के लिए गर्भाशय में लगा रहा डिवाइस

बीजिंग। चीन के उइगर मुस्लिम के प्रति व्यवहार को लेकर दुनिया भर में गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। अमेरिका में रहने वाली उइगर लेखक रेयान असत ने चीन में उइगर लोगों पर हो रहे जुल्म को लेकर कुछ बड़े खुलासे किए हैं। रेयान के मुताबिक चीन न सिर्फ उइगर समुदाय की महिलाओं को जबरदस्ती बांझ बना रहा है बल्कि जनसंख्या पर नज़र रखने के लिए उनके गर्भाशय में जबरन डिवाइस भी लगा रहा है. रेयान असत ने द फॉरेन पॉलिसी मैगजीन में एक लेख के जरिए बताया है कि दुनिया की नज़रों में आने बाद से चीनी सरकार ने टेक्नोलॉजी के जरिए नरसंहार करना शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि चीन ने उइगर समुदाय को न सिर्फ कैम्पों में बंद करके रखा है बल्कि उन्हें गंभीर रूप से शारीरिक और मानसिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है। चीन आधुनिक तकनीक के जरिए ये सुनिश्चित करता है कि उइगर समुदाय में कम से कम बच्चे पैदा हों। इसके अलावा जो बच्चे पैदा हो रहे हैं उन्हें भी अन्य समुदाय में भेज दिया जाता है जिससे वे अपने तौर-तरीको और रहन-सहन से दूर हो जाएं। रेयान ने दावा किया है अपने तौर-तरीको और रहन-सहन से दूर हो जाएं। रेयान ने दावा किया है कि चीन ने शिनजियांग प्रांत में ग्रिड मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया है।

पाकिस्तान का चीन को झटका: चीनी ऐप बीगो किया बैन, बीगो भी बंद करने की तैयारी

पेशावर ।

भारत, अमेरिका और ब्रिटेन के बाद चीन के खास दोस्त पाकिस्तान ने ड्रेगन को झटका दिया है। पाकिस्तान टेलिकम्युनिकेशन अथॉरिटी ने चीन के लाइव स्ट्रीमिंग ऐप बीगो को ब्लॉक कर दिया है। से मिली जानकारी के अनुसार इसके अलावा पाकिस्तान में भी टिकटॉक को बैन किया जा सकता है। आरोप है कि इन दोनों ऐप्स के जरिए मुल्क में अश्लीलता फैलाई जा रही है और यह देश के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। बता दें कि गलवान घाटी पर चीनी सैनिकों के हमले के बाद भारत में पिछले महीने टिकटॉक समेत चीन के 59 ऐप्स पर बैन लगाया गया था। इसके बाद से ही पाक में भी इस तरह की मांग उठ रही थी। पीटीए ने सोमवार रात एक बयान जारी करते हुए कहा कि चीनी ऐप्स के जरिए देश में अनैतिकता और अश्लीलता फैलाई जा रही है जिसके खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। बयान के अनुसार टिकटॉक और बीगो को लेकर नाराजगी बेहद ज्यादा हो चुकी है और इन ऐप्स पर बैन की मांग तेज हो चुकी है। गौरतलब यह भी है कि पाकिस्तान के कई सामाजिक संगठनों ने पीटीए को चिट्ठी लिखकर इन ऐप्स पर बैन की मांग की थी। इस पर विचार के बाद पीटीए ने बयान जारी किया। कहा- हमें कई तरह की शिकायतें मिली हैं। इस तरह के ऐप्स का सोसायटी पर निगेटिव असर हो रहा है। सबसे बड़ी फिक्र युवाओं को लेकर है। वे इन ऐप्स की वजह से गुमराह हो रहे हैं। इन कंपनियों को पाकिस्तान के कानून के हिसाब से काम करना होगा। नहीं ये इन्हें बैन किया जाएगा। पाकिस्तान सरकार पबजी गेम एप्लीकेशन को भी बंद कर चुकी है।

गलवान घाटी हिंसा: अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में भारत को समर्थन, चीन के खिलाफ प्रस्ताव पारित

न्यूयार्क।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम में संशोधन को सर्वसम्मति से पारित कर दिया है जिसमें गलवान घाटी में भारत के खिलाफ चीन की आक्रामकता और दक्षिण चीन सागर जैसे विवादित क्षेत्रों में तथा आसपास में चीन की बढ़ती क्षेत्रीय दबंगई पर निशाना साधा गया है। भारतीय अमेरिकी सांसद एमी बेरा के साथ मिलकर कांग्रेस सदस्य स्टीव शैबेट ने एनडीएए संशोधन सोमवार को पेश किया। इसमें कहा गया है कि भारत और चीन को वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास तनाव कम करने के लिए काम करना चाहिए। भारत और चीन की सेना के बीच पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास कई इलाकों में पांच मई से गतिरोध जारी है। गलवान घाटी में पिछले महीने हुई हिंसक झड़प के बाद स्थिति बिगड़ गई थी जिसमें 20 भारतीय सैन्यकर्मी शहीद हो गए थे। प्रतिनिधि सभा ने सैकड़ों अन्य संशोधनों के साथ इस संशोधन को भी सर्वसम्मति से पारित किया गया जिसमें कहा गया कि वास्तविक नियंत्रण रेखा, दक्षिण चीन सागर, सेनकाकु द्वीप जैसे विवादित क्षेत्रों में चीन का विस्तार और आक्रामकता गहरी चिंता के विषय हैं। द्विपक्षीय संशोधन में भारत-चीन सीमा पर गलवान घाटी में भारत के खिलाफ चीन की आक्रामकता पर विरोध जताया गया है ।

चीन की बढ़ती क्षेत्रीय दबंगई के प्रति अपनी चिंता व्यक्त की है। इसमें कहा गया कि तीन ने कोरोना वायरस की तरफ ध्यान बंटा कर भारत के क्षेत्र पर कब्जा करने की कोशिश के साथ ही दक्षिण चीन सागर में अपना क्षेत्रीय दावा मजबूत करने की कोशिश की है। चीन 13 लाख वर्ग मील दक्षिण चीन सागर के लगभग पूरे इलाके को अपना संप्रभु क्षेत्र बताता है। चीन क्षेत्र में कृत्रि द्वीपों पर सैन्य अड्डे बना रहा है। इस क्षेत्र पर ब्रुनेई, मलेशिया, फिलीपीन, ताइवान और वियतनाम भी दावा करता है।

रिसर्च रिपोर्ट में दावा- कोलेस्ट्रॉल की इस दवा से 5 दिन में खत्म हो जाता है कोरोना वायरस

सिडनी। दुनियाभर के वैज्ञानिक कोरोना वायरस की वैक्सीन और दवा खोजने में लगे हुए हैं। यही वजह है कि कोरोना को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही है। अब दो वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि कोलेस्ट्रॉल घटाने वाली दवा से कोरोना मरीजों का ईलाज हो सकता है पिछले तीन महीने से कोरोना की दवा को लेकर स्टडी कर रहेयरुशलम की हिब्रू यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर याकोव नहमियास और न्यूयॉर्क इकाहन स्कूल ऑफ मेडिसिन के डॉ. बेंजामिन टेनओवर का कहना है कि कोलेस्ट्रॉल घटाने वाली दवा से काफी सकारात्मक नतीजे मिले। प्रोफेसर नहमियास और डॉ. टेनओवर ने स्टडी के दौरान अपना ध्यान इस चीज पर केंद्रित किया था कि कैसे कोरोना वायरस मरीज के फेफड़ों को प्रभावित करते हैं। रिसर्च में वैज्ञानिकों को पता चला कि वायरस कार्बोहाइड्रेट के रुटीन बर्निंग को रोक देते हैं जिसकी वजह से काफी अधिक फैट फेफड़ों के सेल में जमा हो जाता है। डेली मेल और मौडीकल एक्प्रैस डॉट कॉम में छपी रिपोर्ट के मुताबिक दोनों वैज्ञानिकों का मानना है कि इस स्टडी से यह समझने में मदद मिल सकती है कि क्यों हाई ब्लड शूगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल वाले कोरोना मरीज हाई रिस्क कैटेगरी में कोलेस्ट्रॉल लेवल वाले कोरोना मरीज हाई रिस्क कैटेगरी में चले जाते हैं। स्टडी के मुताबिक, दवा के इस्तेमाल से फेफड़ों के सेल्स अधिक फैट बर्न करते हैं और इसकी वजह से कोरोना वायरस कमजोर पड़ जाता है और खुद को रिप्रोड्यूस नहीं कर पाता। लैब स्टडी के दौरान, सिर्फ 5 दिन के ट्रीटमेंट के बाद वायरस खत्म हो गया ।

दुनिया में कोरोना से 6.13 लाख से ज्यादा मौतें, फ्रांस में वायरस के 400 नए क्लस्टर मिले

इंटरनेशनल डेस्क।

दुनिया में कोरोना वायरस से अब तक 1.48 करोड़ से लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें 6 लाख 13 हजार अधिक लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 89 लाख 12 हजार 303 ठीक हो चुके हैं । अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा संक्रमण के मामले ब्राजील में दर्ज किए गए हैं। यहां 80 हजार से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं व 21 लाख से ज्यादा संक्रमित हैं। उधर, फ्रांस में संक्रमण के मामले बढ़ने लगे हैं। देशभर में वायरस के 400 नए क्लस्टर मिले हैं। चीन में 24 घंटे में संक्रमण के 11 नए मामले मिले हैं। देश में संक्रमितों की संख्या 83,693 हो चुकी है। एक दिन पहले यहां 22 मामले मिले थे। हेल्थ कमीशन के मुताबिक, सोमवार को मिले 11 मामले में से 8 शिजियांग प्रांत के हैं। वहीं, तीन अन्य केस बाहर से आए लोगों के हैं। ब्राजील में मरने वालों की संख्या 80 हजार से ज्यादा हो गई है। यहां 24 घंटे में 20 हजार से ज्यादा केस मिले हैं। इसके साथ ही देश में संक्रमितों की संख्या 21 लाख से ज्यादा हो गई है। अब तक 14 लाख से ज्यादा मरीज ठीक हो चुके हैं। वहीं, ब्राजील के शिक्षा मंत्री मिल्टन रिबेरो और नागरिता मंत्री ओनिक्स लोरोंजोनी कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। दोनों घर से काम करते रहेंगे। फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में संक्रमण के मामले बढ़ते जा रहे हैं। यहां वायरस के करीब 400 नए क्लस्टर मिले हैं। वहीं, फ्रांस पहला देश हैं, जहां दुकानों, रेस्टोरेंट और बैंक जैसी बंद जगहों पर भी मास्क पहनना होगा। नियम नहीं मानने वालों पर 135 यूरो (11,565 रु.) तक का जुर्माना भी लिया जा सकता है। कोलंबिया में 24 घंटे में 6727 नए मामले दर्ज किए गए। यहां संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2 लाख 4 हजार 5 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि यहां एक दिन में 193 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों की संख्या 6929 हो गई है। कोलंबिया लैटिन अमेरिकी देशों की सूची में ब्राजील, मैक्सिको, पेरू और चिली के बाद पांचवें नंबर पर है इजराइल के अस्पतालों में स्टाफ की कमी और काम की खराब परिस्थितियों को लेकर नर्सें हड़ताल पर हैं। देश में अब तक 52 हजार से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं, जबकि 415 लोगों की जान जा चुकी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा में सामान्य कार्यकर्ता को भी बड़ी जिम्मेदारी मिलती है : सीआर पाटील

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद , गुजरात प्रदेश भाजा के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बातचीत में सीआर पाटील ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जिसमें सामान्य कार्यकर्ता को भी बड़ी जिम्मेदारी दी जाती हैद्य मेरे जैसे सामान्य कार्यकर्ता, जिसने एक अदने से कार्यकर्ता के तौर पर राजनीति में प्रवेश किया था, उसे तीन दफा सांसद और आज प्रदेश अध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा में अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी सहजता से बदली जाती है और मैं उसका उत्तम उदाहरण हूंद्य भाजपा ने मुझे अकल्पनीय जिम्मेदारी सौंपी है और मैं भरोसा दिलाता हूं कि भाजपा के कार्यकर्ताओं की शक्ति का उपयोग किया जाएगा।

आज दूरदराज के गांव में रहनेवाले युवक भी टेक्नोलोजी का उपयोग कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार में 400 जितनी कल्याणकारी योजनाएं चल रही हैं, ।

इन सभी योजनाओं का अधिकतम लाभ लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए टेक्नोलोजी का ज्यादा से ज्यादा उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज विश्वभर में कोरोना वायरस ने हाहाकार मचा रखा है।

पीएम मोदी ने समय पर लॉकडाउन करने का फैसला कर कोरोना को काबू में करने का प्रयास किया और उसमें काफी सफलता भी मिली हैं।

गुजरात में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल के नेतृत्व में कोरोना की रोकथाम के लिए उल्लेखनीय कार्यवाही की जा रही हैं।

सूरत में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने तत्काल दौरा कर

अधिकारियों व चिकित्सकों के साथ बैठक की, जिसकी सकारात्मक असर आज दिख रही हैं ।

लॉकडाउन के दौरान भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता ने कोरोनारूपी आफत को सेवा के अवसर में परिवर्तित कर लाखों नागरिकों को फूड पैकेट, राशन किट और सैनिटाइजर का वितरण किया।

साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से जन जागृति का महत्वपूर्ण कार्य भी किया।

इसके लिए भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता प्रशंसा के पात्र है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि सीआर पाटील जनसंघ काल से भाजपा कार्यकर्ता हैं ।

और उनके नेतृत्व में आगामी जिला पंचायत, तहसील पंचायत चुनाव में भाजपा को बड़ी सफलता मिलेगीं ।

सीआर पाटील के नेतृत्व में 2022 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा बड़ी जीत दर्ज करेगी। सीआर पाटील को केवल गुजरात ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों का भी काफी अनुभव हैं।

भाजपा में परंपरा है कि यह एक पद नहीं बल्कि जिम्मेदारी हैं।

गुजरात में भाजपा सभी चुनौतियों का सीआर पाटील के नेतृत्व में मुकाबला करेगीं।

हीरा उद्योग पर कोरोना का कहर

20 दिन में 7 दलाल समेत 12 व्यवसायियों की मौत

क्रांति समय सुरत

सूरत, अहमदाबाद के बाद सूरत में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। गाइडलाइन का पालन नहीं करने की वजह से सूरत में लोग संक्रमित हो रहे हैं। कोरोना से मरनेवालों की संख्या में बढ़ रही हैं। पिछले 20 दिनों के भीतर शहर में 7 दलाल 12 व्यवसायियों की कोरोना से मौत हुई है। अनलॉक 1 के बाद कोरोना गाइडलाइन का पालन कराया जा रहा हैं। लेकिन टेक्सटाइल और हीरा उद्योग ऐसे हैं जहां एक–दूसरे के संपर्क के बगैर कोई काम नहीं हो सकतां। जिसकी वजह से लोग कोरोना की चपेट में आ रहे हैं। सूरत के वराछा समेत 3 हीरा बाजार के मिलाकर 12 व्यवसायियों की 20 दिनों में कोरोना से मौत हो गई है। जिसमें 7 दलाल, 3 व्यापारी और 2 पान की दुकान वाले शामिल हैं। इन सभी आयु 50 वर्ष से अधिक की बताई गई हैं। व्यापारियों और दलालों की मौत के कारण बाजार में दहशत है और लोग वहां काम करने को तैयार नहीं हैं। हांलाकि लोगों के सौराष्ट्र की ओर पलायन करने की वजह से हीरा उद्योग से जुड़े मामले और मृत्यु में कमी आई है।

राज्य में एक और नेता का परिवार कोरोना संक्रमित

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, सूरत के विधायक व सचिव पूर्णेश मोदी का समग्र परिवार कोरोना की चपेट में हैं ।

आज एनसीपी के प्रदेश महामंत्री निकुल तोमर व उनका परिवार कोरोना की चपेट में है।

निकुल तोमर व उनके परिवार का अस्पताल में इलाज जारी है।

समग्र राज्य में कोरोना का कहर जारी हैं।

आज राज्य में कोरोना के 1026 केस दर्ज हुए हैं। आम लोगों के साथ साथ अब राजनेता भी कोरोना की चपेट में आ रहे हैं।

सूरत के विधायक पूर्णेश मोदी व उनका पूरा परिवार कोरोना संक्रमित होने पर उन्हें अस्पताल भेजा गयाद्य इसके बाद आज एनसीपी के प्रदेश महामंत्री निकुल तोमर व उनका परिवार कोरोना संक्रमित होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गयां।

इससे पहले भाजपा के किशोर चौहान, भाजपा के विधायक बलराम थवानी, जगदीश पंचाल, केतन इनामदार, वीडी.झालावाडिया, मंत्री रमन पाटकर कोरोना की चपेट में आए थे।

जबकि कांग्रेस में से विधायक इमरान खेडावाला, निरंजन पटेल, कांति खराडी, चिराग कालरिया, गेनीबेन ठाकोर भी कोरोना संक्रमित हुए थे।

पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला और कांग्रेस के पूर्व केन्द्रीय मंत्री भरतसिंह सोलंकी भी कोरोनाग्रस्त हो चुके थे।

हालांकि इन सभी नेताओं में से कांति खराडी और भरतसिंह सोलंकी का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जबकि अन्य नेता स्वस्थ हो चुके है।

इसके अलावा अहमदाबाद अनेक शहरों के नगरपार्षद भी कोरोना की चपेट में आ चुके है।

सीआर पाटील ने शुभ मुहूर्त में संभाला गुजरात भाजपा प्रमुख का कार्यभार

अहमदाबाद, नवसारी के सांसद और गुजरात प्रदेश भाजपा के प्रमुख सीआर पाटील ने आज शुभ मुहूर्त में अपना कार्यभार संभाल लिया। सर्किट हाउस से निवर्तमान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जीतु वाघाणी के साथ सीआर पाटील पार्टी के मुख्यालय पर पहुंचे।

सीआर पाटील के स्वागत में पूरा मुख्यालय सजाया गया था। पाटील के पहुंचते ही ढोल नगारे और आतिशबाजी से उनका स्वागत किया गया। भाजपा के प्रदेश मुख्यालय कमलम में इस मौके पर मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल समेत सांसद, विधायक और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गुजरात प्रदेश भाजपा के 13वें अध्यक्ष सीआर पाटील के विधिवत अपना कार्यभार संभालते ही शाल उढाकर उनका स्वागत किया गया। पहली बार किसी गैर गुजराती को गुजरात भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस मौके पर सीआर पाटील के समर्थक भी बड़ी संख्या में मौजूद रहें।

वेतन की चिंता करने वाले पुलिस की नौकरी न करें : पुलिस महानिदेशक

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद (एजेसी) गुजरात के पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा ने कहा है कि वेतन को लेकर चिंता करने वालों को पुलिस की नौकरी नहीं करनी चाहिए।

दरअसल शिक्षकों के ग्रेड डाउन करने के विरोध में शिक्षकों के डिजीटल आंदोलन के आगे सरकार को झुकना पड़ा और वेतन कटौती फिलहाल स्थगित कर दी।

शिक्षकों के डिजीटल आंदोलन की सफलता के बाद पुलिसकर्मियों ने ग्रेड बढ़ाने की मांग को लेकर डिजीटल आंदोलन छेड़ दिया और इसके लिए ट्वीटर को माध्यम बनायाद्य राज्य में कार्यरत पुलिस कांस्टेबल को 1900 रुपए और हेड कांस्टेबल को 2000 रुपए का ग्रेड मिलता है। जबकि एएसआई को 2400 रुपए ग्रेड पे मिलता है।

ग्रेड पे में वृद्धि की मांग को लेकर आंदोलन शुरू होते ही पुलिस महानिदेशक ने पुलिसकर्मियों के लिए सोशल मीडिया को लेकर गाइडलाइन जारी की है। साथ ही चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया पर किसी प्रकार का आंदोलन चलाने से बाज आएं। सरकार विरोधी या भड़काऊ वीडियो या पोस्ट नहीं करने की कड़ी हिदायत दी है। इसके बावजूद यदि कोई पोस्ट करता है, उसके खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शिवानंद झा ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व ग्रेड पे को लेकर पुलिसकर्मियों को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं, जो गैरकानूनी है।

ऐसे असामाजिक तत्त्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस की नौकरी अन्य सरकारी नौकरियोंसे अलग है और इसलिए वेतन की चिंता करने वालों को पुलिस की नौकरी नहीं करनी चाहिए।

सावन के पहले सोमवार को सोमनाथ में श्रद्धालु और पुलिस के बीच घर्षण

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, गुजरात में आज से सावन महीने का प्रारंभ हुआ है और सावन के पहले ही दिन शिवालयों में सुबह से श्रद्धालुओं को तांता लग गयाद्य आमतौर पर लोग एक महीने तक प्रति दिन शिवालयों में दर्शन करने जाते हैं।

परंतु कोरोना महामारी के कारण छोटे–बड़े मंदिरों में लोग सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए दर्शन करते दिखेद्य लेकिन सौराष्ट्र के सोमनाथ मंदिर तड़के से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के जमा होने से उन्हें संभालना पुलिस के लिए मुश्किल हो गया।

सोमनाथ में सुबह की आरती के दौरान दर्शनार्थियों की भीड़ जमा हो गई और सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाईद्य सोशल डिस्टेंस मेंटेंन करने की पुलिस की लगातार अपील के बावजूद लोग धक्कामुक्की करते रहे।

लाख समझाने के बावजूद जब लोग नहीं माने तो पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा।

आलोक कुमार ने ग्रहण किया पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक के महत्त्वपूर्ण पद का कार्यभार

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, आलोक कुमार ने 20 जुलाई, 2020 को पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक के महत्वपूर्ण पद का कार्यभार ग्रहण किया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार आलोक कुमार भारतीय रेलवे मैकेनिकल इंजीनियरिंग सेवा (आईआरएसएमई) के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं ।

जो यूपीएससी की प्रतिष्ठित SCRA (1981) परीक्षा के माध्यम से रेल सेवा में शामिल हुए।

कुमार ने इंजीनियरिंग काउंसिल (लंदन) से अपनी मैकेनिकल इंजीनियरिंग की और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) में मास्टर डिग्री भी हासिल की।

कुमार ने अपने कैरियर की शुरुआत 1986 में पश्चिम रेलवे से की और पिछले 34 वर्षों में कुमार को भोपाल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक सहित भारतीय रेलवे के अनेक महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य निर्वाह का समृद्ध अनुभव हासिल है।

कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के अपने कार्यकाल के दौरान, कुमार ने पूरे भारत में शुष्क बंदरगाहों पर आधुनिकतम पोर्ट क्रेनों की अधिप्राप्ति करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मॉडर्न कोच फैक्ट्री, रायबरेली में मुख्य परियोजना प्रबंधक के रूप में, आपने हाई स्पीड रेलवे कोच बनाने के लिए भारत में सबसे आधुनिक प्लांट स्थापित करने वाली टीम का नेतृत्व किया और बाद में मॉडर्न कोच फैक्ट्री में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के रूपमें, आपने उस टीम का भी नेतृत्व किया,

जिसने भारतीय रेलवे के कारखानों में इंडस्ट्री 4.0 की महत्त्वाकांक्षी योजना के सफलकार्यान्वयन में सक्रिय एवं अग्रणी भूमिका निभाई।

हैदराबाद में उन्नत प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं में विशेष प्रशिक्षण भी हासिल किया है।

कुमार को सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए रेलवे के सर्वाधिक प्रतिष्ठित माननीय रेल मंत्री पुरस्कार के अलावा जीएम दक्षता पदक और और इंजीनियरिंग के दौरान संस्थान का प्रतिष्ठित पदक भी मिल चुका है। पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक के रूप में अपनी नवीनतम नियुक्ति से पहले, आलोक कुमार रायबरेली की मॉडर्न कोच फैक्टरी के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)